सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 03 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

राष्ट्रीय एकता दिवस पर गुजरात में दिखेगा बस्तर का बदलता स्वरूप, परेड के लिए झांकी का चयन

बस्तर की विकास यात्रा पर केंद्रित थीम : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह देखेंगे छत्तीसगढ़ की झांकी
मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई, बोले- एकता, विकास और सांस्कृतिक गौरव का संदेश देगा छत्तीसगढ़ की झांकी का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर (स्टैच्यू ऑफयूनिटी) में आयोजित होने वाली एकता परेड-2025 में छत्तीसगढ़ राज्य की झांकी का चयन किया गया है। यह जानकारी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची में दी गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ के साथ जम्मू-कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, मणिपुर, उत्तराखंड, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, एनडीआरएफ और एनएसजी की झांकियाँ भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जनसम्पर्क विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित इस भव्य परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं उपस्थित रहेंगे और चयनित राज्यों की झांकियों का अवलोकन करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर लाना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की झांकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सशक्त करेगी और देश के सामने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा और सामाजिक एकता का उज्ज्वल उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

नक्सल प्रभावित इलाकों में आया स्थायी परिवर्तन

राज्य सरकार की पुनर्वास एवं विकासोन्मुख नीतियों ने नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थायी परिवर्तन की दिशा में नई ऊर्जा का संचार किया है। यह झांकी न केवल बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा को प्रदर्शित करेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, एकता और लोकगौरव की झलक भी पेश करेगी। उन्होंने कहा कि यह चयन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपरा और एकता के भाव की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। एकता परेड में प्रस्तुत होने वाली यह झांकी हमारे राज्य की 'एकता में विविधता' की अद्भुत परंपरा को सजीव रूप में प्रदर्शित करेगी।

बस्तर की बदलती पहचान और विकास यात्रा पर केंद्रित

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की झांकी इस वर्ष बस्तर की बदलती पहचान और विकास यात्रा पर केंद्रित होगी। राज्य शासन के जनसम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की जा रही यह झांकी बस्तर की जनजातीय अस्मिता, पारंपरिक लोकनृत्य, वेशभूषा, ढोकरा धातु कला, आदिवासी चित्रकला और आधुनिक विकास के समन्वय को प्रदर्शित करेगी। झांकी का मुख्य संदेश होगा कि बस्तर अब बदलाव की राह पर है- संघर्ष से विकास की ओर, भय से विश्वास की ओर। इसमें दर्शाया जाएगा कि जिस भूमि ने कभी संघर्ष और असमानता के दौर देखे, आज वही क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचे के माध्यम से शांति और समृद्धि की नई पहचान गढ़ रहा है।

खास-खबर

दामाद ने ससुराल में किया बम ब्लास्ट, ससुर के उड़े चिथड़े

कोरिया। जिले के बैकुंठपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दामाद ने अपने ही ससुर की हत्या कर दी। इतना ही नहीं युवक की सास भी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। युवक ने जिस तरीके से वारदात को अंजाम दिया है उसे जानकर हर कोई हैरान हो गया है। दरअसल, यह पूरा मामला बैकुंठपुर के बचरापोड़ी पुलिस चौकी के बड़े साल्ही गांव का है। यहां एक दामाद ने खाट में सो रहे अपने ससुर को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद युवक ने ससुराल में बम फेंका। बम के धमाके से युवक के ससुर की मौत हो गई और सास गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है।

डॉक्टर को कोरियर कंपनी ने लगाया चूना, 5 लाख की ठगी

बिलासपुर। शहर के एक डॉक्टर को कोरियर कंपनी की फ्रेंचाइजी देने का झांसा देकर 4 लाख 89 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद पुलिस ने कंपनी के मालिक और उसके सहयोगी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मंगला आजाद चौक स्थित महामाया विहार निवासी डॉ. लक्ष्मण श्रीवास (31) कोरियर सेवा शुरू करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने मध्यप्रदेश के बालाघाट स्थित एसक्यू लॉजिस्टिक कोरियर कंपनी से संपर्क किया। कंपनी के मालिक समुद्र सिंह भाठी और उनके सहयोगी दुर्गा प्रसाद बांगरे ने डॉक्टर को फ्रेंचाइजी देने का प्रस्ताव दिया और इसके बदले 5 लाख रुपए की मांग की। डॉ. श्रीवास ने उन पर भरोसा करते हुए 4.89 लाख रुपए एक साल पहले अलग-अलग दिन भेजे लेकिन फ्रेंचाइजी प्रक्रिया में लगातार देरी होती रही। इससे परेशान होकर डॉक्टर ने फ्रेंचाइजी लेने से इनकार किया और रकम वापसी की मांग की। कंपनी की ओर से 45 दिनों में रकम लौटाने का आश्वासन दिया गया, लेकिन बाद में कहा गया कि जब तक किसी अन्य व्यक्ति को उनकी जगह फ्रेंचाइजी नहीं दी जाती, तब तक पैसे नहीं लौटाए जाएंगे। इस संबंध में कोई एग्रीमेंट भी नहीं किया गया, जो तय शर्तों के पूरी तरह खिलाफ था। काफी समय तक इंतजार करने के बाद भी रकम नहीं मिलने पर डॉ. श्रीवास ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद कंपनी संचालक समुद्र सिंह भाठी और सहयोगी दुर्गा प्रसाद बांगरे के खिलाफ मामला कायम किया है।

जशपुर में सल्लु राजवाड़े के घर मिला धमकी भरा नक्सली पर्चा पीएलएफआई संगठन के नाम से जारी, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नक्सल पर्चा मिलने से हड़कंप मच गया है। जिले के चौकी पंडरा पाठ क्षेत्रांतर्गत ग्राम सुलेशा में संल्लु राजवाड़े के घर में पीएलएफ्आई संगठन के नाम से कथित रूप नक्सली पर्चा मिला है। नक्सली पर्चा मिलने के बाद मामले की संवेदनशीलता के मद्देनजर पुलिस मौके पर पहुंच का जांच में जुट गई है। फिलहाल पुलिस के द्वारा सभी एंगल पर जांच की जा रही है।

पीएलएफआई संगठन के नाम से मिले कथित पत्र में लिखा है कि सल्लु राजवाडे जी पीएलएफ्आई संगठन आपको कहना चाहता है कि ग्राम सुलेशा में हमारे आदमी के पीछे ज्यादा राजनीति कर रहे हैं और कार्य में बाधा डाल रहे हैं। पहले भी कार्य में बाधा डाल चुके हैं जिसे हमने नजरअंदाज किया है। आगे से कार्य में बाधा आया तो संगठन आप पर फौजी कार्रवाई करेगा जिससे जान मान की हानि हो सकता है और इसके जिम्मेवार आप खुद होंगे।

जशपुर एसएसपी शशिमोहन सिंह ने इस मामले में बताया कि ग्राम सुलेशा में सल्लु राजवाड़े पर पीएलएफ्आई संगठन के नाम से कथित रूप नक्सली पर्चा पाया गया। उन्होंने बताया कि जशपुर जिला 2018 से नक्सलमुक्त घोषित हो चुका है। जिले में किसी प्रकार का नक्सली मुवमेंट नहीं है। जिस संगठन के नाम पर पर्चा मिला है वह फर्जी भी हो सकता है। हो सकता है किसी ने रंजिश वश ऐसा किया है। पर्चा मिलने की सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई है और हर एंगल से इसकी जांच की जा रही है।

अगले 48 घंटे में प्रदेशभर से विदा हो सकता है मानसून

- उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ से लौटा, एक दो जगह पर हल्की बारिश के आसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून अब विदाई की ओर है। अगले एक या दो दिनों में पूरे छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई हो सकती है। सुबह की ओस और रात की ठंडी हवा ने आने वाली सर्दी का एहसास करा दिया है। मौसम विभाग के अनुसार 15 अक्टूबर तक मानसून पूरी तरह लौट सकता है।

राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के प्रमुख जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। दोपहर में हल्की उमस और गर्माहट बनी रह सकती है, लेकिन शाम और रात में ठंडी हवाएं लोगों को राहत देंगी। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान लगातार गिरने की संभावना जताई गई है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि अक्टूबर के मध्य तक रात के तापमान में दो से तीन डिग्री की और कमी संभव है। धूप अब तीखी नहीं रही, हल्के बादल और ठंडी हवाएं दिन को सुहावना बना रही हैं। बदलते मौसम ने लोगों की जीवनशैली पर भी असर डालना शुरू कर दिया है। सुबह की सैर पर निकलने वाले लोग अब स्वेटर और जैकेट पहनने लगे हैं। ग्रामीण इलाकों में पत्तों पर जमी ओस अब रोज सुबह की नई तस्वीर बन गई है। मौसम के इस बदलाव ने प्रदेश के लोगों को उमस और गर्मी से राहत दी है, वहीं सर्दियों की शुरुआत का नया अहसास भी दिला दिया है।

दुर्ग के होटल-ढाबों में अवैध रूप से परोसी जा रही थी शराब, पुलिस की रेड, 7 संचालकों पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के होटल व ढाबों में अवैध रूप से शराब परोसे जाने की शिकायतों के बाद मंगलवार देर रात कर पुलिस ने रेड कार्रवाई की। इस दौरान दुर्ग जिले के 7 होटल व ढाबा संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

जिले में आपराधिक एवं अवैध गतिविधियों पर निगाह रखकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। अवैध शराब का विक्रय करने व अवैध रूप से शराब का सेवन करने वालों के विरूद्ध मंगलवार को अभियान चलाया गया। थाना पाटन क्षेत्र में संचालित होटल ढाबा में इसके संचालकों व्दारा अवैध रूप से अपने होटल ढाबा में लोगों को शराब का सेवन कराएं जाने की सूचना पर दबिश दी गई। 7 होटल व ढाबों में संचालकों व्दारा अवैध रूप से शराब का सेवन कराया जाना पाए जाने पर इनके विरूद्ध थाना पाटन में आबकारी एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है। इस दौरान दिनेश मण्डेश 34 वर्ष, वार्ड-09 पाटन, रोहित कुमार पेण्डरिया, महामाया पारा, पाटन, देवेन्द्र यादव, 21 वर्ष, इंदिरा नगर पाटन, ईश्वरी पटेल 42 वर्ष, महावीर चौक, पाटन, करन पटेल 26 वर्ष, महावीर चौक, पाटन, मोहन साहू 36 वर्ष, महादेव घाट, अमलेश्वर व शेख जाहिद 42 वर्ष, इंदिरा नगर पाटन के खिलाफ कार्रवाई की गई।

सुकमा में 50 लाख के इनामी सहित 27 नक्सलियों ने किया सरेंडर

- पुलिस की पहल का असर, सरेंडर करने वालों में 10 महिला और 17 पुरुष माओवादी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार को कुल 27 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 50 लाख रुपये के इनामी नक्सली भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पीएलजीए बटालियन नंबर-एक के दो हार्डकोर सदस्य, एक सीपीआई (माओवादी) डिवीजन स्तर का कैडर, एक पार्टी कार्यकर्ता और 11 संगठनात्मक सदस्य शामिल हैं। सभी ने सुकमा जिला मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के सामने हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में लौटने की इच्छा जताई।

आत्मसमर्पण करने वालों में 10 महिलाएं और 17 पुरुष माओवादी शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, आत्मसमर्पित नक्सलियों पर अलग-अलग स्तर पर इनाम घोषित था। एक पर 10 लाख, तीन पर आठ-आठ लाख रुपये, एक पर तीन लाख रुपये, दो पर दो-दो लाख रुपये और नौ पर एक-एक लाख रुपये। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लगातार चल रही छत्तीसगढ़ नवसंकल्प आत्मसमर्पण नीति और नियत नेल्ला नार योजना का असर अंदरूनी इलाकों में साफ दिखाई दे रहा है।

इस आत्मसमर्पण अभियान को सफल बनाने में जिला पुलिस बल, डीआरजी, एसटीएफ, बीजापुर-सुकमा इंटेलिजेंस शाखा और सीआरपीएफ की 74, 131, 151, 216, 217 व 203 बटालियन की अहम भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि नक्सल संगठन में बढ़ती अव्यवस्था, आर्थिक शोषण और हिंसक गतिविधियों से असंतुष्ट होकर इन माओवादियों ने यह कदम उठाया। सभी आत्मसमर्पित कैडरों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत सुरक्षा और आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

पंडित की सुनो, नहीं टूटेगी शादी

श्रीकंचनपथ

भारत में नारी सशक्तिकरण के बाद से शादियों के टूटने का सिलसिला भी तेज हुआ है। पहले शायद शादियां इसलिए निभ जाती थीं क्योंकि ससुराल छोड़कर दुल्हन के पास जाने के लिए सिर्फ मायका होता था। लड़कियों का मायके लौट आना पूरे परिवार के लिए सम्मान का विषय बन जाता था। किसी कारण से लौटना पड़ा भी तो खूब ताने सुनने पड़ते थे। इसलिए वह लात-जूते खाकर भी पति के आश्रय में बनी रहती थी। कामकाजी महिलाओं के लिए ऐसा करना जरूरी नहीं रहा। इसलिए खराब रिश्ते में फंसे रहने को वो अपनी मजबूरी नहीं बनने देतीं। चूंकि कामकाजी लोगों में प्रेम विवाह करने वालों की संख्या अधिक है, इसलिए दोष के कुछ छींटे प्रेम विवाह पर भी पड़ जाते हैं। पर इसका सबसे बड़ा नुकसान पंडितों को हुआ है। अब बहुत कम लोग पंडितों के पास कुंडली मिलाने के लिए जाते हैं। कुंडली मिलान के तो मामूली पैसे मिलते हैं पर यदि एक-आध दोष निकाल दिया तो उसे मिटाने के लिए अच्छी खासी रकम मिल जाती है। शादियों का टूटना पूरी दुनिया के लिए एक समस्या है। भारत में तो अब पति पत्नी का तो पत्नी पति का मर्डर तक करवा रही हैं। इसलिए विश्वगुरू भारत में एक नायाब शोध किया गया। सही पकड़े हैं, यह शोध वाराणसी में ही हुआ है। रिसर्च बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के तीन प्रोफेसरों ने अपने दो शोधार्थियों के साथ मिलकर किया है। नतीजे भी पंडितों के पक्ष में आए हैं। शोध के अनुसार विवाह विच्छेद के 37 प्रतिशत मामलों में कुंडली का मिलान ठीक से नहीं किया गया था। 250 लोगों पर छह माह में किये गये इस फटाफट शोध से यह भी साफ हुआ कि विवाह में मुहूर्त का ध्यान नहीं रखा गया। कुंडली मिलान के साथ ही ग्रहों की चाल का ठीक से अध्ययन नहीं किया गया। यही नहीं विवाह संस्कार के दौरान वर-वधु का ध्यान मंत्रोच्चार की बजाय फोटोशूट में लगा हुआ था। यह शोध तब हुआ जब हाल ही में वहां ज्योतिष विद्या पर एक सेमीनार हुआ। इसमें नेपाल, सिंगापुर, दुबई के शोधार्थी भी शामिल हुए थे। शोध बीएचयू ज्योतिष विभाग के प्रो. विनय पांडे, प्रो. आशुतोष त्रिपाठी, प्रो. अमित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में शोधार्थी गणेश प्रसाद, नेपाल की पीएचडी स्टूडेंट रोदना घिनरे ने किया। इस शोध का कितना असर होगा, कहना मुश्किल है पर यदि सनातनियों की खोपड़ी में यह बात घुस गई तो विवाह के बाद भले ही पति या पत्नी एक दूसरे की हत्या की सुपारी न दें पर प्रेम करने वालों की सुपारी देने से उन्हें कोई नहीं रोक पाएगा। अब समस्या यह है कि योग्य पंडित कहां से लाएं। अधिकांश का ज्ञान सतही है। जो कुंडली बांच लेते हैं वो भी कदाचित ग्रहों की चाल नहीं समझ पाते। रही बात संस्कृत के मंत्रों की तो 80 फीसद से भी ज्यादा पंडितों का उच्चारण अशुद्ध है। क्या ज्योतिष के विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी?

संपादकीय

चिदंबरम गिना रहे कांग्रेस की बड़ी-बड़ी गलतियां

राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं, सत्ता में आते हैं, दलों की सरकार बहुत सारे काम करती है, उसे समय व परिस्थिति के हिसाब से बड़े और कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। उनकी उस समय कड़ी आलोचना भी होती है। उसका राजनीतिक रूप से नुकसान भी होता है।सरकार जब सत्ता में होती है तो वह अपने किसी भी फैसले को गलत कहां मानती है,उस वक्त तो उसे ऐतिहासिक फैसला बताया जाता है, देश व राज्य हित में जरूरी बताया जाता है। जब वह सत्ता में नहीं होती है तब उसके कड़े व बड़े फैसलों को याद किया जाता है।

उसकी कड़ी आलोचना की जाती है, बताया जाता है कि यह तो उस वक्त के सरकार की बड़ी गलती थी। कांग्रेस कई दशक तक सत्ता में रही है। सत्ता में रहने के कारण उसे कई बार कड़े और बड़े फैसला करने पड़े हैं। कांग्रेस के कड़े व बड़े फैसलों की आलोचना भाजपा करे तो समझ आता है कि भाजपा कांग्रेस की बड़ी गलतियों को इसलिए फिर से बता रही है ताकि देश को बताया जा सके कि कांग्रेस से बेहतर तो भाजपा है और इसलिए है कि कांग्रेस ने अपने समय में सत्ता में रहते जो बड़ी गलती की थी, वैसी गलती भाजपा ने दस साल के शासन में नहीं की है। कांग्रेस ने तो सत्ता मे रहते कई बड़ी गलतियां की थी, भाजपा ने दस साल में एक भी वैसी बड़ी गलती नहीं की है। कांग्रेस की बड़ी गलतियों को जब कांग्रेस के बड़े नेता ही गिनाने लगते हैं तो कांग्रेस के लिए जवाब देना मुश्किल हो जाता है। चिदंबरम कांग्रेस के बड़े नेता है, बड़े पद पर रहे हैं। वह जब कांग्रेस की बड़े बड़े काम को बड़ी गलती बताते हैं तो कांग्रेस के बड़े बड़े नेता परेशान हैं कि चिदंबरम ऐसा क्यों कर रहे हैं। इससे कांग्रेस की फजीहत हो रही है। इससे तो देश के लोगों में गलत संदेश जा रहा है।

चिदंबरम एक बार किसी के सवाल पूछने पर कह दिया था कि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद वह तो पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करना चाहते थे लेकिन पीएम व अन्य नेताओं ने अमरीका के दबाव में कार्रवाई करने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा नहीं लेकिन लोगों तक यह संदेश तो गया कि जिन लोगों ने अमरीका का सामने सरेंडर किया था, वह आज मोदी पर अमरीका के सामने सरेंडर करने का आरोप लगा रहे हैं जबकि पीएम मोदी ने पहलगाम घटना के बाद पाकिस्तान के आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला किया था, इससे साफ हो जाता है कि अमरीका के सामने तब के पीएम ने सरेंडर किया था, पीएम मोदी ने अमरीका के सामने सरेंडर नहीं किया है।

माना जा सकता है कि चिदंबरम से पत्रकार के सवाल के जवाब में मुंह से निकल गया था, मुंबई हमले का जवाब न देना उनकी नहीं तब की सरकार की गलती थी, लेकिन 1984 में हुए आपरेशन ब्लूस्टार को एक कार्यक्रम सरकार की गलती कहना तो सोचसमझ कर कहना माना जा रहा है। चिदंबरम का यह कहना तो कांग्रेस को और ज्यादा बुरा लग रहा है कि आपरेशन ब्लू स्टार गलती थी और उसकी कीमत तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी को जान देकर चुकानी पड़ी थी। कांग्रेस के नेता मानते है कि इंदिरा गांधी ने देश के लिए कुर्बानी दी है। चिदंबरम के बयान से साफ हो जाता है कि इंदिरा गांधी आपेरशन ब्लू स्टार का फैसला लेने के कारण मारी गई थी। वह भले कहें कि उस समय के अधिकारियों से इस आपरेशन का आपरेट करने में गलती हुई, सिख पूजा स्थल से सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को फिर से हासिल करने के लिए आपरेशन ब्लैक थंडर सही तरीका था लेकिन आपरेशन ब्लू स्टार का गलती कहने से साफहो जाता है कि चिदंबरम वैसा नहीं सोच रहे है, जैसा दूसरे कांग्रेसी सोचते है, चिदंबरम वैसा कह भी नहीं रहे हैं जैसा दूसरे कांग्रेस के तमाम बड़े फैसलों के बार में कहते हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि चिदंबरम ऐसा क्यों कर रहे हैं।

इसका जवाब तो कांग्रेस के बड़े नेता ही दे सकते हैं क्योंकि चिदंबरम ने इतने बरसों तक ऐसा नहीं कहा था तो आज क्यों क्यों कह रहे हैं,यह जानते हुए कह रहे हैं कि इससे आलाकमान नाराज होगा। क्या चिदंबरम व उनके पुत्र की कांग्रेस में उपेक्षा हो रही है, वह आलाकमान से कुछ चाहते हैं और आलाकमान ध्यान नहीं दे रहा है। चिदंबरम के एक नहीं दो बार कहने से सबसे ज्यादा नुकसान राहुल गांधी को भी हो रहा है, वह कांग्रेस के नेता है और कांग्रेस के प्रति लोगों मे विश्वास पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन चिदंबरम जब कांग्रेस की बड़ी बड़ी गलतियां गिना रहे हैं तो उससे कांग्रेस की छबि ही खराब हो रही है कि कांग्रेस ने बड़ी बड़ी गलतियां की है तथा आगे भी सत्ता में रही तो इसी प्रकार की बड़ी बड़ी गलती कर सकती है।

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं महिला अपराधों के आंकड़े

योगेंद्र योगी

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान—तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई।

भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 498ए के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133,676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88,605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83,891 मामले आए जबकि बलात्कार के 29,670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28,821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2,796 मामले दर्ज किए गए।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40,046 मामले, यौन उत्पीड़न के 22,149 मामले, यौन प्रताड़ना के लिए 2,778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185,961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 4,48,211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635,159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए।

साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और 'बलात्कार' 7.1 फीसदी पर रहा।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मेक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राजील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100,000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहाँ विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3त्न महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएँ हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं।

भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर जोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है- अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है।

संपूर्णता अभियान, रक्त परीक्षण और पर्यटन विकास में उत्कृष्ट कार्य के लिए जीपीएम जिले का बढ़ा मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ के कुल 33 जिलों में जीपीएम 28 वें नंबर का नया जिला है। इसकी स्थापना 10 फरवरी 2020 को किया गया। इसके बाद 5 और नए जिलों मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और शक्ति जिले की स्थापना सितम्बर 2022 में किया गया है। आगामी 10 फरवरी 2026 को जीपीएम जिला गठन का 6 वीं वर्षगांठ मनाया जाना है। इस लिहाज से जीपीएम जिला अभी 6 साल का नन्हा बच्चा ही है। इस अवधि में जिले में अमुमन सभी क्षेत्रों-शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सामाजिक एवं अधोसंरचना में बेहतर कार्य हुए हैं। जिला प्रशासन की विशेष पहल पर पिछले लगभग एक वर्ष में आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में संपूर्णता अभियान, समूचे जिले में एक ही दिन में एचबी रक्त परीक्षण और पर्यटन क्षेत्रों के संरक्षण एवं विकास के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए जीपीएम जिले की खास पहचान बनी है और सम्मान मिला है।

जिले को 6 इंडिकेटर में राज्य स्तर पर सिल्वर मैडल

नीति आयोग भारत सरकार द्वारा चयनित आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में संपूर्णता अभियान के अंतर्गत 6 इंडिकेटर-पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व देखभाल, ब्लॉक में लक्षित आबादी के मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से पूरक पोषण, मृदा परीक्षण, स्वास्थ्य कार्ड और स्व सहायता समूहों को रिवाल्विंग फंड उपलब्ध कराने के साथ ही सभी 40 इंडिकेटरों को संतृप्त करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है। 6 इंडिकेटर में शत प्रतिशत उपलब्धि पर जिले को राज्य स्तर पर सिल्वर मैडल प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग रहा है। 34 इंडिकेटर की उपलब्धि के लिए सभी विभागों की योजनाओं से हितग्राहियों को संतृप्त किया जा रहा है। इस अभियान में सराहनीय सेवाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायत और महिला एवं बाल विकास विभाग के 98 अधिकारी-कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया गया है।

एक दिन में 51727 महिलाओं द्वारा रक्त परीक्षण पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को शामिल करते हुए जिला प्रशासन द्वारा 26 जून को जिले में चलाए गए रक्त शक्ति महा अभियान में एक ही दिन में जिले की 13 से 45 वर्ष आयु वर्ग की 51 हजार 727 महिलाओं का हीमोग्लोबीन (एचबी) जांच कराने पर जीपीएम जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया है।

एनीमिया प्रभावित महिलाओं के लिए कार्ययोजना बनाकर लागू किया जाएगा

आदिवासी बहुल जीपीएम जिले में महिलाओं में एनीमिया का प्रभाव रहा है। शरीर में रक्त की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं होती है, महिलाओं में एचबी की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के लिए रक्त शक्ति महाअभियान को मूर्त रूप दिया गया। रक्त शक्ति महाभियान का उद्देश्य एनीमिया प्रभावित महिलाओं की वास्तविक जानकारी प्राप्त करना था, ताकि जिन महिलाओं में एचबी स्तर 7 ग्राम से कम है, उनके लिए पृथक से कार्य योजना बनाकर उन्हें लाभान्वित किया जा सके। इस अभियान में स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ ही जिला स्तर से लेकर मैदानी स्तर के सभी विभागों के अमले की सेवाएं ली गई।

राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ पुरास्कर प्राप्त

नवगठित जीपीएम जिला घने वनों, नदियों, झरनों, धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों से शुमार है। इस जिले को पर्यटन जिला के रूप में पहचान दिलाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय पर्यटन समितियों के माध्यम से निरंतर कार्य किया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्रों के विकास और पर्यटकों की मूलभूत सुविधाओं के लिए पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए अनेक कार्य किए गए हैं, फ्लस्वरूप विश्व पर्यटन दिवस पर 27 सितम्बर को जीपीएम जिले को इको टूरिज्म साइट 2025 के लिए राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ पुरास्कर से सम्मानित किया गया है।

सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध

यह पुरस्कार खासकर जिले के सबसे ऊंची पर्वत चोटी राजमेरगढ़ में पर्वतीय पर्यटन विकास के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। राजमेरगढ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, जो प्रदेश के ईको-टूरिज्म मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। जिला प्रशासन, समुदाय और पर्यावरणविदों के समन्वित प्रयासों से इस क्षेत्र को पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाया गया है।

पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

प्रतापराव जाधव, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री

जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है। प्रतापराव जाधव, केंद्रीय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों-194 देशों में से 170 में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणालीअपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है।

व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं।विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10प्रतिशत -20प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध,सोवा रिग्पाएवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है। यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन

भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता हैऔर आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थीऔर आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार

भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है। ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं। आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुँच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है। भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक विभागों की स्थापना की है।

भारत में डब्लूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है। पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का हालिया प्रकाशन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकियां नैदानिक सत्यापन को मजबूत कर सकती हैं, बड़े डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकती हैंऔर आयुर्वेद व संबंधित प्रणालियों में पूर्वानुमान देखभाल प्रणाली को बेहतर बना सकती हैं।

आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए

आयुर्वेद का मूल दर्शन - शरीर और मन, मानव और प्रकृति, उपभोग और संरक्षण के बीच संतुलन - समकालीन चुनौतियों के लिए प्रासंगिक समाधान प्रस्तुत करता है। जहाँ एक ओर दुनिया जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, वहीं आयुर्वेद एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और पृथ्वी के स्वास्थ्य, दोनों का समाधान करने में सक्षम है।

भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। यह दृष्टिकोण निवारक, किफायती, समावेशी और स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पर जोर देता है। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली, बल्कि एक कल्याण अभियान का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ता है।

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ समन्वय, पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सुविधा देता है। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की क्षमता की याद दिलाता है, जो लोग और अपनी पृथ्वी के संदर्भ में एक अधिक संतुलित और स्थायी भविष्य में योगदान दे सकती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

निगम कर्मचारियों को मिला तोहफा : 56 हितग्राहियों के खाते में पहुंची उपादान राशि

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा दीपावली पर्व से पूर्व कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी गई है। महापौर अलका बाघमार,सभापति श्याम शर्मा एवं वित्त विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे की पहल पर 56 कर्मचारियों को एकमुश्त 1,21,28,305 की उपादान राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम मोतीलाल सभागार में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल और वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे की उपस्थिति में हितग्राहियों को राशि वितरण किया गया। यह राशि जीवित एवं मृतक दोनों श्रेणी के कर्मचारियों को प्रदान की गई। महापौर अलका बाघमार ने बताया कि यह उपलब्धि कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, सभापति श्याम शर्मा के मार्गदर्शन तथा आयुक्त सुमित अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में संभव हुई है। वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने बताया कि उन्होंने पिछले तीन महीनों से लगातार विभागीय बैठकों का संचालन करते हुए लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। सभी तकनीकी व प्रशासनिक प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद कर्मचारियों को उनका हक मिलना संभव हो सका। उन्होंने कहा उपादान राशि वितरण की घोषणा के साथ ही निगम परिसर में हर्षोल्लास का वातावरण बन गया।

उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए 25 तक आवेदन

दुर्ग। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पात्र विद्यार्थियों से 25 अक्टूबर तक आवेदन मंगाए गए हैं। योजना का उद्देश्य राज्य के प्रतिभावान और निम्न आय वर्ग के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की उच्च शिक्षण संस्थाओं जैसे कि आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबी में अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के अनुसार योजना के अंतर्गत वे छात्र पात्र होंगे जो छत्तीसगढ़ के मूल निवासी हों, अनुसूचित जाति, जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग में आते हों।

इकरा टीचर्स एसोसिएशन होनहारों का सम्मान करेगा, 15 तक आवेदन

भिलाई। इस्पात नगरी की संस्था इकरा टीचर्स एसोसिएशन की ओर से होनहार बच्चों के सम्मान की तैयारियां चल रही है। एसोसिएशन की ओर से एयू खान ने बताया कि यह सम्मान समारोह लगातार 16वें वर्ष इसी माह अक्टूबर में दीपावली से पहले आयोजित होने जा रहा है। जिसमें मुस्लिम समुदाय के उन बच्चों की हौसला अफ्जाई की जाएगी, जिन्होंने 10वीं और 12वीं के इम्तिहान में शानदार कामयाबी हासिल की है। उन्होंने बताया कि 10वीं और 12वीं में 75 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पाने वाले अपनी बच्चे अपनी अंक सूची की छायाप्रति अपने विस्तृत ब्यौरे के साथ जामा मस्जिद सेक्टर-6 के दफ्तर में इमाम अथवा मुअज्जिन के पास 15 अक्टूबर तक जमा कर सकते हैं।

बीएसपी के सिंटर प्लांट-3 में टॉप फायरड कर्टन फ्लेम इग्निशन एवं कोक ओवन में गैस इंजेक्शन सिस्टम का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी ने ऊर्जा दक्षता और परिचालन क्षमता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सिंटर प्लांट-3 के सिंटर मशीन-2 में टॉप फायरड कर्टन फ्लेम इग्निशन सिस्टम एवं कोक ओवन गैस इंजेक्शन सिस्टम का शुभारंभ भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को किया गया।

यह आधुनिक टॉप फायरड कर्टन फ्लेम इग्निशन फर्नेस को 2 से 11 सितंबर 2025 तक संचालित कैपिटल रिपेयर के दौरान सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इस दौरान पुराने साइड बर्नर सिस्टम को हटाकर नया अत्याधुनिक इग्निशन फर्नेस लगाया गया।

नए फर्नेस की संपूर्ण डिज़ाइन एवं ड्रॉइंग आरडीसीआईएस की टीम द्वारा तैयार की गई है। स्थापना और स्टेबलाइजेशन के उपरान्त इस उन्नत प्रणाली ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। गैस की खपत 1250-1300 नॉर्मल घन मीटर/घंटा से घटकर अब 850-900 नॉर्मल घन मीटर/घंटा रह गई है। साथ ही, पेलेट-साइड इग्निशन में भी सुधार हुआ है, जिससे सिंटर की गुणवत्ता में वृद्धि हुई और सिंटर रिटर्न में 1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, फर्नेस की आयु में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और परिचालन में स्थायित्व लाने की दिशा में, कैपिटल रिपेयर के इसी चरण में कोक ओवन गैस (सीओजी) इंजेक्शन सिस्टम भी शुरू किया गया। इस प्रणाली से सिंटर की गुणवत्ता में सुधार हुआ तथा प्रति टन सिंटर में 1.5 किलोग्राम कोक ब्रीज़ की बचत संभव हुई, जो संयंत्र के लिए ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

इन दोनों प्रणालियों का औपचारिक उद्घाटन निदेशक प्रभारी, चित्त रंजन महापात्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार एवं तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी अनुप कुमार दत्त भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक प्रोसेनजीत दास, मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) पी. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) हरीश सचदेव, मुख्य महाप्रबंधक (ओएचपी) एस. वर्गीज़ सहित एसपी-3, एसपी-2 एवं केंद्रीय एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आरडीसीआईएस तथा सेल की अन्य इकाइयों के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में ऑनलाइन ज़ूम माध्यम से जुड़े।

दोनों परियोजनाओं का नेतृत्व तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सिंटर प्लांट्स), अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया। परियोजना की तैयारी एवं क्रियान्वयन कार्य में महाप्रबंधक (मैकेनिकल), आई. वी. रामन्ना; उपमहाप्रबंधक (मैकेनिकल), एम. यू. राव; वरिष्ठ प्रबंधक, ओम नमः शर्मा, जितेश शाहनी, विपिन मौर्य; महाप्रबंधक , ए. के. बेडेकर एवं आर. डी. शर्मा; सहायक महाप्रबंधक, विकास पिपरानी; सहायक महाप्रबंधक दीपक गुप्ता; वरिष्ठ प्रबंधक अरूणेश शर्मा; महाप्रबंधक जे. मोटवानी; उपमहाप्रबंधक जीतेंद्र शर्मा; उपप्रबंधक एस. भट्टाचार्य; वरिष्ठ प्रबंधक एस. के. पाटिल एवं वी. के. चौधरी; महाप्रबंधक मेजी मेजर सिंह; तथा उपमहाप्रबंधक देवेंद्र सोनार की सक्रिय भूमिका रही।

इस परियोजना में तकनीकी सहयोग आरडीसीआईएस, रांची की टीम द्वारा प्रदान किया गया, जिसका नेतृत्व महाप्रबंधक, आई. एन. पी. गुप्ता ने किया। उनके साथ महाप्रबंधक, मनीष कुजुर; सहायक महाप्रबंधक, श्याम जी एवं मिथिलेश ने महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

जिले में 2 से 4 नवम्बर तक होगा राज्योत्सव कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आगामी 2 नवम्बर से 4 नवम्बर 2025 तक दुर्ग जिले में तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन बड़े ही गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया जाएगा। यह आयोजन गंजपारा स्थित पुरानी गंज मंडी परिसर में किया जा रहा है, जिसकी तैयारियों का निरीक्षण कलेक्टर अभिजीत सिंह ने किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंच निर्माण, विभागीय स्टॉल, बैठक व्यवस्था, पार्किंग आदि की तैयारियां समय पर और सुचारु रूप से सुनिश्चित की जाएं। राज्योत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नागरिकों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

जिसमें टी.बी., सिकलिंग, हीमोग्लोबिन, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, नेत्र परीक्षण, बीपी, शुगर जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही बिजली विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत नागरिकों का पंजीयन भी किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से आमजन सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे। कलेक्टर सिंह ने निर्देशित किया कि राज्योत्सव को सफल बनाने के लिए विभागीय समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, जिससे आमजन बिना किसी असुविधा के कार्यक्रम का भरपूर आनंद ले सकें। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव व हितेश पिस्दा, नगर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर रिसाली मोनिका वर्मा सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ : विधायक ललित ने कराया टॉस, 350 खिलाड़ियों ने खेला खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड स्तर पर सांसद खेल महोत्सव रिसाली दशहरा मैदान में कराया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पहले टॉस कराया फिर कबड्डी खिलाड़ियों से परिचय लेते खेल का उदघाटन किया। वार्ड स्तर के दस अलग-अलग प्रतियोगिता में 350 खिलाड़ी शामिल हुए।

प्रतियोगिता शुरू कराने से पहले पंजीकृत खिलाड़ियों का सत्यापन कर प्रवेश दिया गया। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव एक ऐसा मैदान है जहां से छन कर खिलाड़ी क्लस्टर लेबल, विधानसभा स्तर और फिर लोकसभा स्तर पर निष्पक्ष प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर खेलेंगे। उन्होंने ग्रामीण स्तर और राष्ट्रीय स्तर के दस अलग-अलग खेलों के बारे में प्रकाश डालते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अतिथियों का स्वागत खेल महोत्सव के नोडल सुनील दुबे ने किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य सनीर साहू, पार्षद ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, समेत आयुक्त मोनिका वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

दो खेलों में मिला वॉक ओवर

पांच परंपरागत समेत दस खेलों में प्रतिभागियों की संख्या 350 थी। वहीं वॉलीवाल और कुश्ती के दो वर्ग में केवल एक टीम व खिलाड़ी की उपस्थिति होने पर उन्हें निर्णायक मण्डल ने वॉक ओवर देते हुए विजेता घोषित किया। वॉलीवाल और कुश्ती के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग्य अजमाने से पहले ही क्लस्टर लेबल के प्रतियोगिता में प्रवेश पा लिया।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र माटरा का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिले के ग्राम माटरा में महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम माटरा में 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात दी।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह उपकेंद्र क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा और बिजली के बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि उपकेंद्र के निर्माण से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली बिजली मिल सकेगी, जिससे वें अपनी फसलों को सहीं समय पर आवश्यकतानुसार पानी देकर उपज में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकेंगे। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र लगभग 02 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा। इस नवीन उपकेन्द्र के निर्माण से 7 गांवों के हजारों उपभोक्ता एवं किसान लाभान्वित होंगे। मुख्य अभियंता ने कहा कि यह सबस्टेशन केवल बिजली का केंद्र नहीं है, बल्कि हमारे उपभोक्ताओं जिनमें हमारें किसान यानि अन्नदाता शामिल हैं, के समृद्धि और सशक्तिकरण का केंद्र है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य हर घर को रोशनी, हर खेत को पानी और हर किसान को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि माटरा में नये उपकेंद्र के निर्माण से ग्राम पेण्ड्रीतराई, कोकड़ी, हरदी, गोता, खजरी, ठेंगाभाठ एवं माटरा सहित कुल सात ग्रामों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। उपकेन्द्र के बनने से इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बेहतर और निर्बाध होगी, जिससे विकास की गति तेज होगी। भूमिपूजन समारोह की अध्यक्षता विधायक बेमेतरा दीपेश साहू ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड आयोग रायपुर जितेन्द्र साहू उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग श्रीमती सरस्वती बंजारे, पूर्व विधायक बेमेतरा अवधेश सिंह चंदेल, अध्यक्ष जनपद पंचायत धमधा लीमन साहू, सदस्य जिला पंचायत दुर्ग श्रीमती उषा सोनवानी, अध्यक्ष भाजपा मंडल बेरला डोमेन्द्र सिंह राजपूत, सदस्य जनपद पंचायत धमधा राजेश साहू, पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत धमधा डॉ.एन.के.तिवारी, विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत दुर्ग किसुन लाल साहू, विधायक प्रतिनिधि जनपद पंचायत धमधा उकेन साहू, सरपंच ग्राम माटरा देवषरण साहू, अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति मर्यादित माटरा खुमान साहू भी विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

सेल एवं कलिंगा कमर्शियल के बीच माइनिंग सर्विसेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की रावघाट लौह अयस्क परियोजना के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सेल एवं भुवनेश्वर स्थित मेसर्स कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच '14 एमटीपीए क्षमता वाली रावघाट खनन परियोजना के विकास एवं संचालन हेतु नए माइन डेवलपर-कम-ऑपरेटर (एमडीओ) के चयन' के लिए माइनिंग सर्विसेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता 28 वर्षों की अवधि के लिए किया गया है, जिसमें प्रारंभिक तीन वर्ष निर्माण अवधि के रूप में निर्धारित हैं। इस अवधि में नया एमडीओ खदान के सर्वांगीण विकास और संचालन का दायित्व संभालेगा, जिससे सेल के एकीकृत इस्पात संयंत्रों के लिए लौह अयस्क की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होगी और संगठन की दीर्घकालीन कच्चे माल की सुरक्षा सुदृढ़ होगी। इस समझौते पर मुख्य महाप्रबंधक (रावघाट) अनुपम बिष्ट ने सेल की ओर से तथा निदेशक (वित्त) मनोज रंजन सामल ने मेसर्स कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से हस्ताक्षर किए। एग्रीमेंट हस्ताक्षर समारोह में कार्यपालक निदेशक एस. मुखोपाध्याय, तथा कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार सहित भिलाई इस्पात संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, परामर्शदाता सीईटी एवं मेसर्स कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

'मेरा भिलाई मेरा अभिमान' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा 'मेरा भिलाई - मेरा अभिमान' विषय पर आयोजित संयंत्र स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 14 अक्टूबर 2025 को इस्पात भवन स्थित कार्यपालक निदेशक सभागार में मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार चोखानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विभाग प्रमुख एवं महाप्रबंधकअमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक राजीव कुमार, प्रतियोगिता के निर्णायकगण महाप्रबंधक हरप्रीत सिंह एवं रूपम कुमार एवं महाप्रबंधक बोन्या मुखर्जी सहित बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी कार्मिक उपस्थित थे।

पुरस्कार वितरण समारोह में निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं प्रशासनिक सहायक विपणन एवं व्यापार योजना अंजनी कुमार द्विवेदी को प्रथम पुरस्कार, वरिष्ठ प्रबंधक राजेन्द्र कुमार साहू को द्वितीय, व्याख्याता (शिक्षा विभाग) केदार नाथ सोनबेर को तृतीय पुरस्कार तथा उप महाप्रबंधक (सी.एच.एम.-3) आनंद, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अमृता गंगराडे एवं जे.ई.ए. (धमन भट्ठी) नील कुमार पटेल को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार चोखानी ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र ने केवल उत्पादों का ही निर्माण नहीं किया, बल्कि राष्ट्र के निर्माण में भी अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खेल, कला, साहित्य, चिकित्सा, शिक्षा, समाज कल्याण, परिधीय विकास ऐसे अनेक क्षेत्र हैं, जिनमें भिलाई ने अपना सक्रिय योगदान दिया है। भिलाई परिवार के वर्तमान सदस्यों सहित देश-विदेश में निवासरत अनेक ऐसे परिवार हैं, जिनकी भावनाएँ इस संयंत्र से जुड़ी हैं। चाहे नगरीय सुविधाओं की बात करें, शिक्षा की बात हो या चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेख करें, भिलाई इस्पात संयंत्र ने लाखों लोगों का जीवन अपने स्नेहिल, मृदुल स्पर्श से सँवारा है। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक राजीव कुमार ने पुस्तक भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के समस्त प्रतिभागी विजेता हैं तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार का दायित्व हम सभी का है। हिंदी के प्रति अनुराग जागृत करने व हिंदी में कामकाज को प्रोत्साहन के लिए राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिमाह विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी ने कहा कि सभी प्रतिभागियों ने संयंत्र से जुड़ी अपनी भावनाओं, संस्मरणों और भावनात्मक जुड़ाव को लिपिबद्ध किया है। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार भले ही केवल निर्धारित संख्या में ही पुरस्कार विजेता घोषित किए जाते हैं, किंतु आप सभी प्रतिभागियों ने भिलाई पर लिखा, अपनी भावनाओं को व्यक्त किया, इस हेतु आप सभी बधाई के पात्र हैं। उप प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन - राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने प्रतियोगिता की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलसचिव ने पदभार ग्रहण किया

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलसचिव कपिलदेव दीपक ने आज पदभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रभारी कुलसचिव डॉ. सीपी खरे से कुलसचिव पद का प्रभार लिया. पदभार ग्रहण करने के उपरांत दीपक ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल से सौजन्य मुलाकात की। डॉ. चंदेल ने दीपक को उनके सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी। कपिल देव दीपक ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संवाद कर विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उप कुलसचिव डॉ. यमन देवांगन, डॉ. श्रीकांत चितले, डॉ. विजय सोनी सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि कपिल देव दीपक मूलत: कृषि विभाग में संयुक्त संचालक के पद पर पदस्थ है।

प्रोजेक्ट सुरक्षा: शासकीय कर्मचारियों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आज मल्टीलेवल पार्किंग कलेक्ट्रेट, चौथा फ्लोर रायपुर में 26 सहायक शिक्षकों को प्राथमिक उपचार किट के उपयोग और सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के सहायक प्रबंधक देवप्रकाश कुर्रे ने प्रशिक्षण का संचालन करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीकों की महत्ता को समझाया। उन्होंने सीपीआर की विस्तृत विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन किया। साथ ही यह बताया कि कैसे सांस रुकने या हृदय गति बंद होने जैसी गंभीर स्थितियों में समय रहते सही तरीके से दी गई सहायता किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है।

किसान पंजीयन की प्रक्रिया अब और आसान, एग्रीस्टेक पोर्टल में 31 अक्टूबर तक कराएं पंजीयन

रायपुर। राज्य के किसानों से अपील की गई है कि वे धान खरीदी, फसल बीमा एवं अन्य कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में 31 अक्टूबर तक अपना ऑनलाइन पंजीयन अवश्य कराएं। पंजीयन प्रक्रिया अब सरल और सुलभ कर दी गई है, जिससे किसान स्वयं अपने मोबाइल या कम्प्यूटर से पंजीयन कर सकते हैं।

किसान अपना पंजीयन एग्रीस्टेक पोर्टल https://cgfr.agristack.gov.in या फार्मर रजिस्ट्री सीजी मोबाइल एप के माध्यम से कर सकते हैं। पोर्टल पर नया खाता बनाने के लिए किसान को आधार से लिंक मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, भूमि के खसरा और बी-1 दस्तावेज की आवश्यकता होगी। पोर्टल में लॉगिन कर आवश्यक विवरण भरने के बाद किसान अपनी भूमि की जानकारी सत्यापित कर ई-साइन के माध्यम से पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। सफल पंजीयन के बाद किसान को रजिस्ट्रेशन नंबर प्राप्त होगा।

पंजीयन के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल या मोबाइल एप पर क्रिएट न्यू यूजर पर क्लिक करें। अपना आधार नंबर भरें और ओटीपी से सत्यापन करें। मोबाइल नंबर दर्ज कर वेरीफाई करें तथा पासवर्ड बनाएं। लॉगिन कर व्यक्तिगत व भूमि संबंधी जानकारी भरें। फेच लैण्ड डिटेल पर क्लिक कर अपने खसरा नंबर दर्ज करें और विवरण सत्यापित करें। अंत में ई-साइन ओटीपी के माध्यम से पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करें। यदि किसान की जानकारी 80 प्रतिशत या उससे अधिक मेल खाती है, तो पंजीयन स्वचालित रूप से 48 घंटे के भीतर स्वीकृत हो जाएगा। अन्य मामलों में स्थानीय राजस्व अधिकारी द्वारा सत्यापन के बाद पंजीयन स्वीकृत किया जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टेक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1033 जारी किया गया है। साथ ही, आवश्यक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के पटवारी या कृषि विस्तार अधिकारी से भी संपर्क कर सकते हैं।

ग्रामीणों को मिला रोजगार और आत्मनिर्भरता बनने का अवसर, डबरी निर्माण होने से बढ़ी सिंचाई सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डबरी निर्माण से सिंचाई सुविधा में वृद्धि हुई है क्योंकि ये वर्षा जल के संचयन का स्थायी साधन प्रदान करती हैं, जिससे किसानों को बारहों महीने खेतों की सिंचाई करने में मदद मिलती है। इससे फसल उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि होती है, साथ ही यह मछली पालन जैसे अतिरिक्त आय के स्त्रोतों का अवसर भी देता है। मनरेगा के तहत डबरी निर्माण कार्य से कई ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सफलता मिली है। डबरी निर्माण से न केवल रोजगार सृजित हुआ है, बल्कि सिंचाई की सुविधा भी बढ़ी है, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार हुआ है।

गरियाबंद जिले से 67 किलोमीटर दूरी पर ग्राम पंचायत मुड़ागांव स्थित है। यहां मनरेगा जॉब कार्डधारियों की संख्या 360 है। यहां के एक कृषक तिरन जो कि बारिश के पानी से ही अपनी खेती-बाड़ी का कार्य करते थे। उन्हें प्रत्येक वर्ष बेमौसम बारिश और पानी की कमी के कारण खेती करने में मुश्किल हो रही थी। जैसे-जैसे फसलें अफसल हो रही थी। आत्मविश्वास टूटता जा रहा था। पानी की कमी के कारण उनके जैसे कई अन्य किसान भी पर्याप्त फसल नहीं ले पाते थे। ग्राम सभा के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत व्यक्तिगत व हितग्राही मूलक कार्य जैसे डबरी निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जिसमें बताया गया कि मनरेगा योजना से हितग्राही मूलक कई कार्य किए जा सकते हैं। डबरी निर्माण होने से फसल उत्पादन ज्यादा किया जा सकता है।

गरियाबंद जिले से ग्राम पंचायत मुड़ागांव के तिरन-रूपधर ने डबरी निर्माण कराने का मन बनाया और उत्सुकतापूर्वक मनरेगा योजना के जनकल्याण कारी कार्य का लाभ लेने हेतु आवेदन ग्राम पंचायत में ग्रामसभा में जमा कराया। इसके बाद पंचायत द्वारा प्रस्ताव तैयार कर जनपद पंचायत में प्रेषित किया गया। स्वीकृति होने के पश्चात् कार्य को प्रारम्भ किया गया। डबरी निर्माण से हितग्राही मछलीपालन एवं आस-पास के खेतों में सिंचाई कर, फसल लगाकर अपनी एवं परिवार की आजीविका अच्छे से कर रहे है।

मछली पालन से आय

हितग्राही तिरन एवं रूपधर ने बताया कि डबरी निर्माण से आय के साधन में वृद्धि हुई जिससे ग्रामीण किसान आत्मनिर्भर बनते जा रहे है। कार्य से किसानों को फसल की उत्पादन क्षमता भी बढ़ती जा रही है, मछली पालन, खेती बाड़ी में अच्छी गुणवत्ता के साथ पैदावार हो रही है, जिसे बेचकर आय अर्जित करना एवं दैनिक रूप से जो भी खर्च है वह पूर्ति हो रही है। स्थल का सदुपयोग हुआ, खेतों में सिंचाई की सुविधा बढ़ी, आजीविका के साधन में वृद्धि हुआ।

कृषि ऊपज में वृद्धि

हितग्राही तिरन पूर्व में मेरी जमीन में कुछ भी फसल नहीं हो रही थी जिसके कारण पूरे खेत में सिंचाई सही तरीके से नहीं हो पा रही थी। जिससे फसल के उत्पादन में कमी हो रही थी। मुझे ग्राम सभा के माध्यम से पता चला की शासन द्वारा मनरेगा योजना से किसानों के कृषि ऊपज में वृद्धि हेतु बहुत सारे कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है।

मैने भी ग्राम पंचायत में डबरी निर्माण हेतु आवेदन दिया जो शासन द्वारा स्वीकृत किया गया, डबरी होने से मेरी आर्थिक स्थिति में बहुत सुधार आया है एवं वर्तमान में मैं अधिक मात्रा में फसल उत्पादन कर बेहतर कृषि करते हुए अपने आर्थिक स्थिति में सुधार महसूस कर रहा हूं। हमारा परिवार डबरी निर्माण कार्य से बहुत खुश है, और शासन के जन कल्याणकारी योजना के प्रति आभारी है एवं मै गांव के अन्य लोगों को भी डबरी निर्माण के महत्व को बताते हुए डबरी निर्माण कराने हेतु प्रोत्साहित करता हूं। मैं शासन को इस जन कल्याणकारी योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

धमतरी के अछोटा गांव में 'पोषण माह' में मातृ शिशु स्वास्थ्य पर दिया जागरूकता का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कांकेर स्थित केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा धमतरी जिले के अछोटा ग्राम में पोषण माह के अवसर पर विशेष लोकसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संतुलित आहार के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सभापति श्रीमती मोनिका देवांगन थीं। मंच पर जनपद सदस्य कैलाश देवांगन, ग्राम पंचायत अछोटा की सरपंच श्रीमती सावित्रीबाई ढीमर, महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती टिंकी साहू, स्वास्थ्य सुपरवाइजर द्वारिका प्रसाद साहू तथा आरएमए डॉ. श्रीमती डिम्पी साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता से हुई, जिसे दो वर्गों में आयोजित किया गया। तत्पश्चात पोषण आहार विषय पर प्रश्न मंच का आयोजन हुआ, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को विभाग की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अन्नप्राशन संस्कार एवं गर्भवती माताओं का गोद भराई समारोह भी संपन्न हुआ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर में हीमोग्लोबिन (एच.बी.) जांच सहित विभिन्न रोगों का उपचार किया गया, जिसमें लगभग 75 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं पोषण स्टॉल के माध्यम से संतुलित आहार, आयरन, फोलिक एसिड एवं एनीमिया निवारण संबंधी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य मोनिका देवांगन, जनपद सदस्य कैलाश देवांगन एवं सरपंच श्रीमती सावित्रीबाई ढीमर ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव पोषित माताओं और बच्चों पर आधारित होती है। उन्होंने पोषण आहार को दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। सुपरवाइजर श्रीमती टिंकी साहू ने पोषण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी, जबकि डॉक्टर डिम्पी साहू ने कुपोषण से होने वाले रोगों और उनके निदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों से पोषण पर प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। लगभग 30 आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कला ध्रुव ने किया।

अवैध रेत खनन पर कार्रवाई, 2 बोट एवं 2 चैन माउंटेन जब्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार रायपुर जिले में अवैध रेत खनन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने आरंग ब्लॉक के ग्राम गुदगुदा में बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम ने अवैध रेत उत्खनन करने पर 2 बोट एवं 2 चैन माउंटेन मशीन जब्त की। यह कार्रवाई आरंग एसडीएम श्रीमती अभिलाषा पैकरा के नेतृत्व में नायब तहसीलदार जीएन सिदार, राजस्व अमला तथा खनिज अधिकारी हेमंत क्षेरपा एवं उनकी टीम द्वारा की गई।

सुहिनी सोच के करवा चौथ में सोनल बनी करवा क्वीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ससदियों पुरानी परंपरा और आधुनिक उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला जब सुहिणी सोच टीम ने चोकरधानी में करवा चौथ महोत्सव मनाया। जहाँ महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर अपने उपवास की गरिमा को बढ़ाया। इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य पारंपरिक रीति-रिवाजों को जीवंत रखते हुए,एक भव्य सामुदायिक मंच प्रदान करना था ताकि सभी मिलकर उत्साह और प्रेम के साथ इस पवित्र दिन का आनंद ले सकें।

इस अवसर सुहिनी सोच की प्रोग्राम निर्देशक रेखा पंजवानी सिया कुकरेजा मुस्कान लालवानी हेमा वोहरा लक्ष्मी बजाज ईशानी तोतलानी फाऊंडर मनीषा तारवानी और अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी सचिव पूनम बजाज जैसी प्रमुख सदस्य उपस्थित थी। मीडिया प्रभारी कविता नारा ने बताया कि ममता शर्मा को उनके उत्कृष्ट केश सज्जा के लिए बेस्ट हेयर स्टाइल का खिताब मिला, जबकि रूह मदीहा ने अपनी निपुणता के चलते बेस्ट मेकअप का पुरस्कार जीता। वहीं, मुस्कान अडवानी को उनके उत्कृष्ट आभूषणों के चयन के लिए बेस्ट ज्वैलरी का ताज पहनाया गया और दीपा झमनानी की सुंदर मेहंदी की कलाकारी ने उन्हें बेस्ट मेहंदी का पुरस्कार दिलाया। पूजा कुकरेजा को उनकी शानदार और पारंपरिक पोशाक के लिए बेस्ट ड्रेस घोषित किया गया। प्रतियोगिता की सबसे प्रतिष्ठित विजेता सोनल शर्मा रहीं, जिन्हें करवा क्वीन का खिताब मिला, जबकि मिशिका कुकरेजा रनर अप रहीं।

इसके बाद, तंबोला और लकी ड्रा के विजेताओं ने कार्यक्रम के रोमांच को बनाए रखा। एटी ज्वैलर की ओर से आयोजित तंबोला में गौरव पृथ्वीयानी ने शानदार गोल्ड नेकलेस जीतकर पहला स्थान प्राप्त किया। मायरा मंगलानी को एटी ज्वैलर की ओर से गोल्ड रिंग से सम्मानित किया गया, और निशा पृथ्वीवानी ने भी एटी ज्वैलर का गोल्ड इयररिंग जीता।

माना, डोमा और दतरेंगा क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग पर चला प्रशासन का बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम माना, डोमा और दतरेंगा में अवैध रूप से की गई प्लाटिंग को ध्वस्त किया। हाल ही में सेजबहार, डूमरतराई और अटल नगर स्थित NRDA इलाके में भी अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चला था।

दरअसल, प्रशासनिक टीम ने ग्राम माना में लगभग 4 एकड़ भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग को तोड़ दिया। प्लिंथ को ध्वस्त कर सड़क और रास्तों को काटकर प्लॉटिंग को खत्म कर दिया है। इसी तरह ग्राम डोमा में 3 एकड़ अवैध प्लाटिंग और ग्राम दतरेंगा में 4 एकड़ भूमि पर किए गए अवैध प्लॉटिंग कार्य को भी पूरी तरह तोड़ दिया गया।

कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। हाल ही में ग्राम सेजबहार, डूमरतराई और अटल नगर (NRDA क्षेत्र) में भी प्रशासन ने अवैध निर्माण और प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की थी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृति या अनुमति के किए गए किसी भी प्लाटिंग कार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खादी को प्रोत्साहित करने कॉलेज छात्राओं ने लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंगलवार को श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय में खादी ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय द्वारा खादी को प्रोत्साहित करने व स्वदेशी अपनाने एक विशेष कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी एवं स्वयंसेवकों द्वारा रैली आयोजित की गई जिसमें लगभग 125 छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं की रैली कलेक्ट्रेट परिसर, नगर घड़ी चौक, शास्त्री चौक से होते हुए महाविद्यालय परिसर में आई।

इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डॉ कुलदीप वर्मा, सहायक निदेशक संदीप शर्मा, सहायक निदेशक अनूप कुमार श्रीवास्तव, सहायक निदेशक एमपी रावत तथा खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष अजय तिवारी उपस्थित रहे। खादी ग्राम उद्योग के अध्यक्ष अजय तिवारी तथा निदेशक डॉ कुलदीप वर्मा ने छात्राओं को अपने उद्बोधन में स्वदेशी अपनाने तथा खादी को प्रोत्साहित करने हेतु छात्राओं को संकल्पित करवाया।

इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। छात्राओं ने कार्यक्रम का बहुत आनंद लिया और स्वयं चरखा चलाकर खुश हुए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संगीता घई, एनएसएस अधिकारी सुश्री तेजेश्वरी साहू, संरक्षक डॉ. पदमा शर्मा, डॉ. गायत्री शर्मा एवं समस्त सहायक प्राध्यापक उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

जैन संवेदना ट्रस्ट ने किया बीपी, शुगर टेस्टिंग मशीन व श्रवण यन्त्र वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरोना काल के बाद से ही अचानक बी पी बढ़ने व मृत्यु होने की अनेक घटनाएं सामने आई है, जिसे समय रहते बी पी नापने से इलाज कर बचाया जा सकता था। जिसे ध्यान में रखते हुए जैन संवेदना ट्रस्ट ने जैन समाज के भाई बहनों को बी पी व शुगर टेस्टिंग मशीन वितरित करना आरम्भ किया है।

महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा अक्टूबर माह में 37 परिवारों को बीपी, शुगर टेस्टिंग मशीन दी गई। संस्था ने 3950 वी लाभार्थी कुमारी सिंग 65 वर्ष के लिए उनके पुत्र को बीपी शुगर टेस्टिंग मशीन प्रदान की। परिवार व समाज के बुजुर्गों में कम सुनाई देने की बड़ी समस्या देखी गई है। पिछले वर्षों से बुजुर्गों की इस समस्या को देखते हुए प्रति सप्ताह श्रवण यन्त्र का वितरण किया जा रहा है। इस माह 85 बुजुर्गों को श्रवण यन्त्र दिये गए। जैन संवेदना ट्रस्ट ने कल 10200 वां श्रवण यन्त्र देकर बुजुर्ग भगवती देवांगन 65 वर्ष, दुर्गा चौधरी, मोहन मोती यादव को सुनने की समस्या से निजात दिलाई। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि विगत 15 वर्षों से सेवा अभियान चलाया जा रहा है इस सप्ताह भी साधर्मिक भाइयों के अलावा कुछ सर्व समाज के जरूरतमंद लोगों को बीपी शुगर मशीन व श्रवण यन्त्र वितरित की गई है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

फिल्म थामा के पॉइजन बेबी में छाईं मलाइका अरोड़ा, फीकी पड़ी रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की मचअवेटेड फिल्म 'थामा' का नया गाना 'पॉइजन बेबी' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने में बॉलीवुड की 51 वर्षीय मलाइका अरोड़ा 29 साल की रश्मिका मंदाना पर भारी पड़ते हुए नजर आ रही हैं। वहीं मलाइका के मूव्स से दर्शकों का दिल जीत रहीं हैं। 13 घंटो में ही यूट्यूब पर इस गाने को 39 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और फैंस तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं।

थामा के लेटेस्ट गाने पॉइजन बेबी में मलाइका अरोड़ा के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में नजर आ रही हैं। गाने को जैस्मीन सैंडलस, सचिन-जिगर और दिव्या कुमार ने गाया है। गाने की शुरुआत मलाइका के डांस से होती है, जिसके बाद आयुष्मान खुराना के कैरेक्टर की एंट्री होती है। वहीं फिर रश्मिका मंदाना की एंट्री होती दिख रही हैं।

नोरा फतेही का गाना भी हुआ था हिट

इससे पहले थामा का गाना दिलबर की आंखों का आया था, जिसमें नोरा फतेही नजर आई थीं। इसे रश्मीत कौर और जिगर सरैया ने आवाज दी, जबकि इसके बोल मशहूर गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे। संगीत की जादूगरी सचिन-जिगर की जोड़ी ने की है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि गाना रिलीज होने के महज 10 मिनट में 1.2 मिलियन व्यूज हासिल कर चुका है। अभिनेत्री ने वीडियो में उत्साह भरे अंदाज में कहा, मेरे फैंस का प्यार देखकर दिल खुश हो गया। गाना रिलीज होते ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। इसे और देखें।

बता दें, 'थामा' एक रोमांटिक-कॉमेडी हॉरर फिल्म है, जो मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की पांचवीं कड़ी है। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसकी पटकथा नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फलारा ने लिखी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इनके साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम किरदारों में दिखेंगे। 'थामा' एक वैम्पायर की अनोखी प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका से मिलने के बाद वैम्पायर बन जाते हैं और उनके पास अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। 'थामा' 21 अक्टूबर को दीपावली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पति से तलाक, झूलता करियर और शराब की लत, इस हीरोइन ने खोले जिंदगी के काले राज

बिग बॉस-19 में अपनी पर्सनालिटी की धमक दिखाने वाली एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने हाल ही में अपनी शराब की लत पर खुलकर बात की है। साथ ही बताया कि कैसे जिंदगी के कठिन दौर में उन्होंने क्या-क्या झेला है।

फिल्मी दुनिया की चकाचौंध बाहर से जितनी रंगीन लगती है, अंदर से उतनी ही संघर्षों और खतरों से भरी है। यहां काम करना बेहद मुश्किल और शोहरत पर टिके रहने उससे भी ज्यादा कठिन होता है। लेकिन फिर भी कुछ कलाकार ऐसे हैं जो अपने जुनून से जिंदगी की हर हर्डल को पार कर जाते हैं। बॉलीवुड की एक एक्ट्रेस की जिंदगी भी कुछ ऐसी ही रही है। जिन्होंने पति से तलाक लिया और झूलते करियर में बेटे की कस्टडी के लिए कई साल कोर्ट के चक्कर काटे। इतना ही नहीं जिंदगी की इन कठिनाइयों ने उन्हें शराब की लत के दलदल में धकेल दिया। लेकिन आखिर में सब ठीक रहा और आज ये एक्ट्रेस 61 साल की उम्र में टीवी के रियलिटी में दहाड़ मारती नजर आ रही हैं। अब तक आपने अंदाजा लगा लिया होगा कि हम बात कर रहे हैं कुनिका सदानंद की। इन दिनों बिग बॉस-19 में नजर आ रहीं कुनिका ने हाल ही में अपनी शराब की लत पर बात की है। साथ ही बताया कि कैसे नाइट क्लब्स में उनकी शामें कटा करती थीं।

2 बार तलाक और शादीशुदा सिंगर से अफेयर

कुनिका का जन्म दिल्ली के एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। कुनिका की मां पंजाबी और पिता साउथ इंडियन थे। पिता काफी सख्त थे और फौज में काम करते थे। वहीं कुनिका काफी चुलबुली और मस्ती से भरी रहती थीं। महज 18 साल की उम्र में 13 साल बड़े इंसान से प्यार कर बैठीं और शादी रचा ली। इस शादी के लिए परिवार राजी नहीं था लेकिन फिर भी कुनिका ने परिवार के खिलाफ जाकर शादी रचाई। इस शादी से उनका एक बेटा हुआ और 2 साल बाद ही तलाक हो गया। तलाक के बाद कुनिका ने अपने सपनों का पीछा किया और फिल्मी दुनिया में नाम कमाने निकल पड़ीं। लेकिन जिंदगी इतनी आसान कहां जितनी कम उम्र में नजर आती है। कुनिका के तलाक के बाद उन्हें अपने बेटे की कस्टडी के लिए 9 साल तक कोर्ट के चक्कर लगाने पड़े और आखिर में हारकर इस केस को छोड़ दिया। बेटे की कस्टडी पिता के पास चली गई।

सपनों का किया पीछा और 110 फिल्मों में किया काम

कुनिका मुंबई आ गईं और यहां अपने सपनों का पीछा करने लगीं। कुनिका ने 28 साल की उम्र में साल 1988 में आई हॉरर फिल्म 'कब्रस्तान' से अपने करियर की शुरुआत की। कुछ फिल्मों में काम करने के बाद कुनिका को पहचान मिली 'हम साथ साथ हैं' फिल्म से। इस फिल्म में कुनिका ने रीमा लागू की सहेली का किरदार निभाया और खूब तारीफें बटोरीं। इसके बाद 'स्वाभिमान' नाम के सीरियल में मां का किरदार निभाकर भी खूब तारीफें बटोरीं। इसके बाद कुनिका ने लगातार काम करना जारी रखा और 'बेटा', 'गुमराह' के साथ 'खिलाड़ी' जैसी फिल्मों में काम किया। अपने 25 साल के करियर में कुनिका ने 110 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है।

शराब की लत से जूझ चुकी कुनिका

बता दें कि करियर में उतार चढ़ाव के दौरान कुनिका की निजी जिंदगी भी काफी संघर्षों से भरी रहीं। कुनिका ने पहले तलाक के बाद दूसरी शादी की और वो भी ज्यादा लंबी नहीं चली। दूसरी बार तलाक होने के बाद कुनिका ने बॉलीवुड के हिट सिंगर कुमार शानू से प्यार किया। कुमान शानू पहले से ही शादीशुदा थे और करीब 5 साल तक दोनों लिवइन रिलेशनशिप में रहे। बाद में दोनों का ये रिश्ता भी परवान नहीं चढ़ पाया। इस दौरान कुनिका भी शराब की लत से नहीं बच पाई। कुनिका ने हाल ही में बिग बॉस-19 में अपनी शराब की लत पर बात की और बताया कि कैसे नाइट क्लब्स में उन्होंने जाना शुरू कर दिया था।

बिग बॉस-19 में दिखाया जलवा

अब कुनिका ने एक बार फिर 61 साल की उम्र में अपनी दमदार पर्सनालिटी की खनक रियलिटी शो बिग बॉस-19 में दिखाई है। कुनिका यहां बॉस की तरह रहती हैं और शेरनी की तरह दहाड़ती हैं। कभी-कभी कुनिका मां के रोल में भी दिखती हैं। कुनिका को अक्सर ही विवादों में देखा जाता है। बिग बॉस-19 की पहली कैप्टन के तौर पर भी कुनिका ही नजर आई थीं। अब देखना होगा कि क्या कुनिका ये खिताब जीत पाती हैं या नहीं।

रश्मि देसाई के EX हसबैंड नंदीश संधू ने किया रोका, पहली शादी में हुई खूब छीछालेदर, कौन हैं दुल्हन?

'उतरन' एक्टर नंदीश सिंह संधू ने हाल ही में सगाई कर ली है और अब उन्होंने अपने रोका की फोटोज शेयर की हैं। नंदीश ने अपनी होने वाली दुल्हन के साथ कई सारी तस्वीरें शेयर करके फैंस को खुश कर दिया है। नंदिश जल्द ही दूसरी शादी करने वाले हैं।

नंदिश संधू ने किया रोका

एक्टर नंदीश सिंह संधू के लिए प्यार इन दिनों हवा में है, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर एक्ट्रेस कविता बनर्जी के साथ अपनी खुशी पा ली है। 'उतरन' में अपने यादगार अभिनय के लिए जाने जाने वाले नंदीश ने कविता के साथ अपनी सगाई की खुशखबरी शेयर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, जिससे फैंस और

भालोबाशी।' इस प्यार ने उनके फैंस का दिल जीत लिया, जिन्होंने बधाई देकर कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। कोलकाता की रहने वाली कविता बनर्जी ने 'रिश्तों का मांझा', 'भाग्य लक्ष्मी' और 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में काम किया है।

रश्मि देसाई से पहली शादी

दूसरी ओर, नंदीश ने अपने टेलीविजन और फिल्मी करियर को काफी समय दिया है। टीवी पर अपार लोकप्रियता हासिल करने के बाद उन्होंने 'सुपर 30' से बॉलीवुड में कदम रखा। उनकी पहली शादी टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई से हुई थी। लेकिन दोनों का तलाक हो गया। अब सालों बाद नंदिश को दोबारा प्यार मिल गया है लेकिन रश्मि आज भी सिंगल हैं।

53 साल की अभिनेत्री तब्बू ने अनारकली अवतार में रैंप पर ढाया कहर

तब्बू ने हाल ही में नई दिल्ली में चल रहे लैक्मे फैशन वीक 2025 में रैंप पर वॉक किया। जैसे ही वह रैंप पर उतरीं, हर किसी की नजर उन पर ठहर गई। उनका रॉयल अंदाज, कॉन्फिडेंस और ग्रेस देखकर लोग बस वाह कहते रह गए।

तब्बू हमेशा से ही अपनी बेहतरीन एक्टिंग और ग्रेसफुल स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। जहां भी जाती हैं, वहां उनका जलवा देखने लायक होता है। अब एक बार फिर उन्होंने अपने लुक से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस बार वह हरे रंग की अनारकली पहनकर रैंप पर उतरीं और उनका यह रॉयल अंदाज सोशल मीडिया पर छा गया है। लोग उन्हें देखकर कह रहे हैं-53 की उम्र में भी तब्बू का कोई जवाब नहीं।

फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने 50 की उम्र पार करने के बाद भी अपनी फिटनेस और स्टाइल से लोगों को हैरान किया है। उन्हीं में से एक हैं तब्बू। 53 साल की उम्र में भी उनका लुक और कॉन्फिडेंस किसी यंग स्टार से कम नहीं लगता। वह जहां भी नजर आती हैं, अपने एलिगेंट अंदाज से सबका दिल जीत लेती हैं। इस बार भी उन्होंने साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक नंबर है।

दरअसल, तब्बू ने हाल ही में नई दिल्ली में चल रहे लैक्मे फैशन वीक 2025 में रैंप पर वॉक किया। जैसे ही वह रैंप पर उतरीं, हर किसी की नजर उन पर ठहर गई। उनका रॉयल अंदाज, कॉन्फिडेंस और ग्रेस देखकर लोग बस वाह कहते रह गए। तब्बू इतनी शालीनता के साथ चलीं कि पूरा माहौल उनके नाम हो गया। इस मौके पर तब्बू फैशन लेबल Itrh के 'नूर' कलेक्शन के लिए शोस्टॉपर बनीं। उन्होंने गहरे हरे रंग की अनारकली पहनी थी, जिसमें वह किसी महारानी से कम नहीं लग रही थीं। यह अनारकली ट्रेडिशनल होते हुए भी मॉडर्न टच लिए हुए थी। उनके चेहरे की चमक, गहनों की नजाकत और ड्रेस की बारीक डिटेलिंग-सब कुछ मिलकर तब्बू को और भी ग्लैमरस बना रहा था। उनकी अनारकली पर बेहद खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी की गई थी। जरी का काम और शिमरी डिटेल्स इसे खास बना रहे थे। स्वीटहार्ट नेकलाइन और फुल स्लीव्स इस आउटफिट को रॉयल फिनिश दे रहे थे। ड्रेस में ग्रीन कलर के दो अलग-अलग शेड्स का शानदार कॉम्बिनेशन था। बॉर्डर पर किरण लेस और सीक्विन वर्क इसे और एलीगेंट बना रहे थे।

अनारकली के साथ उन्होंने मैचिंग कलीदार घाघरा पहना, जिसमें हल्के और गहरे हरे रंग का मेल एकदम परफेक्ट लग रहा था। हर कली पर गोल्डन सितारों से डिटेलिंग की गई थी। वहीं सिल्वर स्कर्ट का अटैच डिजाइन इसे रिच और ग्रैंड टच दे रहा था। पूरा आउटफिट एकदम रॉयल लग रहा था, मानो किसी राजघराने की महारानी रैंप पर उतरी हों। अपने लुक को पूरा करने के लिए तब्बू ने बालों को मिडिल पार्टीशन में स्लीक बन में बांधा और उस पर गजरा लगाया। मेकअप में उन्होंने ग्लॉसी लिप्स, हल्का कोहल और शिमरी आई मेकअप चुना। इस सिंपल लेकिन एलीगेंट लुक ने उन्हें एकदम ग्रीन क्वीन बना दिया। कुल मिलाकर तब्बू का यह पारंपरिक लेकिन मॉडर्न लुक दिवाली फैशन के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन है। अगर आप भी इस बार दिवाली पर कुछ रॉयल और एलीगेंट पहनना चाहती हैं, तो तब्बू का यह ग्रीन अनारकली लुक आपके लिए एकदम सही आइडिया हो सकता है।

पूजा भट्ट ने सुनाया दुश्मन का किस्सा, संजय दत्त ने दक्षिण अफ्रीका में बारटेंडर को डराया था

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता पूजा भट्ट अपने पॉडकास्ट द पूजा भट्ट शो में फिल्मों से जुड़ी पुरानी यादें शेयर कर रही हैं। इसकी कुछ क्लिप्स वो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर करती हैं। पूजा भट्ट ने पुरानी यादों में खोकर 1998 में दक्षिण अफ्रीका में फिल्म दुश्मन की शूटिंग के पलों को याद किया।

उन्होंने बताया कि कैसे संजय दत्त के डर के चलते एक बारटेंडर उनसे छिपता दिखाई दिया था। पूजा भट्ट ने अपने शो में फिल्म की निर्देशक तनुजा चंद्रा से बात की। इस दौरान उन्होंने दुश्मन की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे और केप टाउन के विक्टोरिया होटल में ठहरे थे, वह समय बहुत ही मजेदार था। मुझे लगता है कि संजू (संजय दत्त) मेरे पिता के साथ कारतूस की शूटिंग से पहले भी वहां गए थे और वह पहले से ही वहां ठहरे हुए थे।

उन्होंने आगे कहा, और जब हम लॉबी में गए तो बार बारटेंडर ने हमें होटल में घुसते देख लिया और डर के मारे छिपने लगा। तो मैं हैरान रह गई और मैंने पूछा कि तुम हमसे यहां ऐसे क्यों छिप रहे हो? तब बारटेंडर ने डरते हुए कहा, वो जो गेस्ट हैं ना, उनकी वजह से हम किसी मुसीबत में न फंस जाएं इसलिए छुप रहे हैं। पिछली बार हमें उनके लिए शराब के एक्स्ट्रा बॉक्स मंगवाने पड़े थे क्योंकि शराब खत्म हो गई थी। पूजा भट्ट ने यह भी बताया कि कैसे सुबह जल्दी उन लोगों को शूटिंग के लिए जाना था, तब संजय दत्त चाह रहे थे कि यह शाम कभी खत्म न हो।

पूजा भट्ट ने तनुजा से कहा, और मुझे याद है एक शाम हमारी सुबह-सुबह शूटिंग थी और तुम कहती रही कि चलो सब सो जाओ क्योंकि हमें जल्दी उठकर निकलना है और संजू शाम खत्म नहीं करना चाहता था और मेरे भी कुछ प्लान्स थे। तुम ऊपर गईं और संजू भी गलियारे में टहल रहा था और तुमने कहा, संजय दत्त, सो जाओ। तो वह तुम्हारे कमरे में आया और तुमसे बात करने लगा था।

उन्होंने आगे कहा, और मैं दरवाजे के पास गई और सुनने लगी, तभी अचानक दरवाजा खुल गया और मैं तुम्हारे कमरे में गिर गई। तुम उस पर चिल्ला रही थी, फिर अचानक जोर से हंस पड़ी। तुमने बताया कि संजय दत्त काफी हाई थे और कह रहे थे कि ये शाम कभी खत्म न हो। फिल्म 'दुश्मन' को पूजा भट्ट और उनके पिता ने प्रोड्यूस किया था। इसमें काजोल, संजय दत्त और आशुतोष राणा लीड रोल में थे।

आम, आंवला, लहसुन छोड़िए, एक बार ट्राई करें ये हेल्दी अचार, इसके फायदे कर देंगे हैरान

लोगों के बीच तेजी से पसंद किया जा रहा है। आम, मिर्ची और नींबू के अचार खाने के बाद अगर आप कुछ नया और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं, तो सहजन का अचार आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। अचार खाने का शौक हर किसी को होता है। आम, मिर्ची और नींबू का अचार तो हर घर में बनता है, लेकिन क्या आपने कभी सहजन का अचार खाया है? अगर नहीं, तो अब जरूर आजमाइए, क्योंकि सहजन का अचार स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है।

सहजन जिसे ड्रमस्टिक भी कहा जाता है, एक बहुत पौष्टिक सब्जी है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। आमतौर पर लोग सहजन की फली को सब्जी में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसका अचार भी उतना ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है।

सहजन का अचार कैसे बनता है

लोकल 18 से बातचीत के दौरान किरण मिश्रा बताती हैं कि सहजन का अचार बनाना बहुत आसान है। इसके लिए ताजी और कोमल सहजन की फली ली जाती है। इन्हें साफ करके छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लिया जाता है और उबालकर सुखा लिया जाता है। फिर इसमें हल्दी, लाल मिर्च, सरसों के दाने, सौंफ, हींग, नमक और सरसों का तेल मिलाया जाता है। अच्छी तरह मिलाने के बाद इसे कांच के जार में भरकर कुछ दिनों के लिए धूप में रख दिया जाता है। बस तैयार है आपका स्वादिष्ट और हेल्दी सहजन का अचार।

सहजन के अचार के फायदे

सहजन का अचार न सिर्फ खाने में स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह शरीर के लिए भी बहुत लाभकारी होता है। यह पाचन शक्ति को मजबूत करता है। शरीर में आयरन की कमी को पूरा करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। इसके साथ ही ये जोड़ों के दर्द और सूजन में राहत देता है। सहजन का अचार त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद है। सहजन का अचार न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि इसे खाने से शरीर मजबूत और तंदुरुस्त रहता है। कई घरों में तो इसे रोज खाने की आदत बना ली गई है।

जरूर ट्राई करें सहजन का अचार

आगे किरण मिश्रा बताती हैं कि अगर आप भी कुछ नया और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं, तो इस बार सहजन का अचार जरूर बनाएं या खरीदें। यह अचार स्वाद में लाजवाब और सेहत के लिए फायदेमंद है। अगली बार जब थाली में अचार रखने जाएं तो आम, नींबू या मिर्च की जगह सहजन का अचार जरूर शामिल करें। फर्क आपको खुद महसूस होगा।

सहजन जिसे मोरिंगा भी कहा जाता है, एक ऐसा पौधा है जिसके फल, पत्ते, बीज और फूल — हर भाग में औषधीय गुण छिपे हैं। इसे गरीबों का मुफ्त वाला मल्टीविटामिन कहा जाता है, क्योंकि यह पौधा शरीर को 300 से अधिक रोगों से बचाने की क्षमता रखता है। इसमें पाए जाते हैं —90 तरह के पोषक तत्व- 45 एंटीऑक्सीडेंट गुण-35 दर्द निवारक तत्व और 17 तरह के एमिनो एसिड, जो शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और रोगमुक्त बनाते हैं।

सहजन के प्रमुख फायदे —**रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए :** सहजन में विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता होती है, जो शरीर की इम्युनिटी को मजबूत बनाते हैं और सर्दी-जुकाम व संक्रमण से बचाते हैं।

दिल को रखे स्वस्थ : इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और पोटैशियम खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके हृदय स्वास्थ्य में सुधार करते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाए : सहजन कैल्शियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम से भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और जोड़ों के दर्द में राहत देते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद : इसमें एंटी-डायबिटिक तत्व होते हैं जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं।

पाचन में सुधार : सहजन के फाइबर तत्व पाचन को दुरुस्त रखते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देते हैं।

स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उपयोगी-सहजन में लैक्टोजेनिक गुण पाए जाते हैं जो दूध के उत्पादन को स्वाभाविक रूप से बढ़ाते हैं।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद : सहजन का तेल विटामिन E और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है जो त्वचा को निखारता और बालों को मजबूत बनाता है।

वजन घटाने में सहायक : सहजन में क्लोरोजेनिक एसिड और एंटी-ओबेसिटी गुण पाए जाते हैं जो फैट को जलाने और वजन घटाने में सहायक हैं।

पुरुषों के लिए लाभकारी : सहजन पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन स्तर बढ़ाने और इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसी समस्याओं में सुधार लाने में मदद करता है।

सहजन सूप बनाने की विधि:- सहजन की फलियों को छोटे टुकड़ों में काटें। दो कप पानी में इन्हें धीमी आंच पर उबलने दें। चाहें तो सहजन की पत्तियाँ भी डालें। जब पानी आधा रह जाए, तो गूदा निकालें और ऊपरी छिलका अलग करें। इसमें थोड़ा नमक और काली मिर्च मिलाकर सेवन करें। यह सूप शरीर को ऊर्जा देने, इम्युनिटी बढ़ाने और पाचन सुधारने में बेहद फायदेमंद है।

विशेषताएँ :- हर भाग उपयोगी पत्ते, फूल, बीज, फल। प्राकृतिक एंटीबायोटिक और टॉनिक के रूप में कार्य करता है। आसानी से उगने वाला, कम देखभाल में बढ़ने वाला पौधा। शरीर की डिटॉक्स प्रक्रिया को सक्रिय करता है।

गुणवत्ता और मानक ही आत्मनिर्भर भारत की पहचान-मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में मानकों का पालन पारदर्शिता, गुणवत्ता और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा रही है और इसके माध्यम से मिलावट व नकली वस्तुओं के कारोबार पर प्रभावी रोक लगी है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को गुणवत्ता शपथ दिलाते हुए मानकीकृत उत्पादों को बढ़ावा देने और बीआईएस के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मानकों की स्थापना में विशेष योगदान देने वाले मानक क्लबों, संस्थाओं और मेंटर्स का सम्मान किया। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था देशभर में गुणवत्ता की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक समय था जब सोने जैसी धातुओं की शुद्धता का पता लगाना कठिन था, लेकिन आज हर उपभोक्ता बीआईएस हॉलमार्क देखकर ही आभूषण खरीदता है। बीआईएस का हॉलमार्क अब उपभोक्ता भरोसे का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने बताया कि बीआईएस द्वारा बोतलबंद पानी, हेलमेट, खिलौने, गहनों से लेकर करीब 22 हजार वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के बीच मानक चिन्हों के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मानकों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता और मानकीकरण के कारण आज देश के गांव और कस्बों में बने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित जनों से मानक चिन्हों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का संकल्प उपभोक्ता अधिकारों की मजबूती से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक पहचान है। कार्यक्रम में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि विश्व मानक दिवस का उद्देश्य उपभोक्ताओं और समाज में मानकीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह हमारे वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रयासों को सराहने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है और गुणवत्ता सुधार अब केवल नीति नहीं, बल्कि एक संकल्प बन चुका है। श्री बघेल ने कहा कि जागो ग्राहक जागो का संदेश उपभोक्ताओं को सजग और जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को समाज में आगे बढ़ाएं, ताकि उपभोक्ता संरक्षण और अधिक सशक्त हो सके।

भारतीय मानक ब्यूरो रायपुर शाखा कार्यालय के निदेशक श्री एस. के. गुप्ता ने कहा कि बीआईएस का प्रत्येक मानक उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा को समर्पित है। उन्होंने बताया कि उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और ब्यूरो इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है श्री गुप्ता ने ब्यूरो द्वारा संचालित गतिविधियों और विभिन्न उत्पादों के मानकीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीआईएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में निर्मित हर उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरे।

मानक महोत्सव में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए गए नवाचार आधारित स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित नवाचारों का अवलोकन किया और उनके रचनात्मक प्रयासों की सराहना की। गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल बिरकोनी के विद्यार्थियों ने रक्तचाप जांचने की मशीन और मिट्टी की नमी मापने की मशीन तैयार की। पंडित आर. डी. तिवारी गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्रों ने एक्सप्लोरर रोबोट प्रस्तुत किया, जो अंधेरे और दुर्गम स्थानों में रास्ता खोजने में सक्षम है। यह रोबोट खदानों और औद्योगिक स्थलों पर उपयोगी सिद्ध हो सकता है। वहीं गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल अंडा के विद्यार्थियों ने स्मार्ट ट्रेन का मॉडल तैयार किया, जो विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से चर्चा की, उनके नवाचारी कार्यों की जानकारी ली और उनकी रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा — युवाओं की सोच में जब गुणवत्ता और नवाचार जुड़ता है, तभी भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुणवत्ता सिर्फ उद्योग या उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन के हर पहलू का संस्कार बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानक केवल नियम नहीं, राष्ट्र निर्माण की रीढ़ हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों, संस्थाओं और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे क्वालिटी को क्वांटिटी से पहले रखें और छत्तीसगढ़ को मानकीकरण, नवाचार और पारदर्शिता में देश का अग्रणी राज्य बनाएं। उन्होंने कहा —जब हर नागरिक गुणवत्ता को अपना धर्म समझेगा, तभी सच्चे अर्थों में विकसित भारत का स्वप्न साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने मानक महोत्सव में विभिन्न स्टालों का किया अवलोकन

विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) तथा अन्य संस्थानों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने मानक स्थापना से जुड़ी गतिविधियों और संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। सिपेट रायपुर के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि संस्था प्रदेश के युवाओं को लघु एवं दीर्घकालीन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, साथ ही उद्योगों को गुणवत्ता परामर्श और तकनीकी सलाह भी उपलब्ध कराती है। मुख्यमंत्री ने सिपेट की पहल की सराहना की और इसे उद्योग-शिक्षा समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। बीआईएस की रायपुर शाखा द्वारा लगाए गए स्टॉल में उपभोक्ता जागरूकता संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से उपभोक्ता स्वयं आईएसआई, एचयूआईडी और हॉलमार्क युक्त आभूषणों की प्रमाणिकता जांच सकते हैं। ऐप के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतें दर्ज करने और आईएसआई मुहर के दुरुपयोग की सूचना देने की सुविधा भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को उपभोक्ता सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से 250 गांवों तक पहुंची बस सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा ग्रामीण अंचलों में लोगों को सस्ती और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' लागू की गई है। योजना का प्रथम चरण बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों में शुरू किया गया है। अब तक 34 चयनित मार्गों में से 33 बसों का संचालन प्रारंभ हो चुका है, जिससे कुल 250 नए गाँवों को पहली बार बस सुविधा मिली है।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ऐसे ग्रामों को जनपद मुख्यालय, तहसील, नगरीय क्षेत्र और जिला मुख्यालय से जोड़ना है, जहाँ पहले बस सुविधा नहीं थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा, रोजगार के अवसर और आपसी संपर्क में बढ़ोतरी मिली है, जिससे ग्राम विकास को नई दिशा मिल रही है।

परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने बताया कि राज्य शासन द्वारा बस संचालकों को प्रोत्साहन के रूप में प्रथम वर्ष में 26 रूपए, द्वितीय वर्ष में 24 रूपए तथा तृतीय वर्ष में 22 प्रति किलोमीटर की वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही बस संचालकों को मासिक कर से 3 वर्ष तक की पूर्ण छूट दी जाएगी। चयनित मार्गों पर निविदा प्रक्रिया के माध्यम से सबसे कम वित्तीय दर देने वाले आवेदक को बस संचालन की अनुमति दी जाती है, जिसके बाद परमिट जारी किया जाता है। इस योजना के तहत सुकमा जिले में छह, नारायणपुर में 4, जगदलपुर में 1, कोंडागांव में 3, कांकेर में 5, दंतेवाड़ा में 1, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 2, सूरजपुर में 2, कोरिया में 3, जशपुर में 4 और बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 2 बस का संचालन किया जा रहा है। साथ ही, 9 नए मार्गों पर बस संचालन के लिए परमिट जारी करने की प्रक्रिया जारी है।

उल्लेखनीय है कि विगत 5 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जगदलपुर में इस योजना की शुरुआत करते हुए बसों को हरी झंडी दिखाई। पहले चरण में यह योजना आदिवासी बहुल बस्तर और सरगुजा संभागों के गांवों को कवर करेगी और 34 बसों के जरिए 34 मार्गों पर सेवाएं शुरू की जाएंगी जो 11 जिलों के 250 गांवों को जोड़ेंगी।

नवा रायपुर में निवेश और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण में वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता में निवेश, अधोसंरचना विकास और जनसुविधाओं से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में मंत्री चौधरी ने अधिकारियों से शहर के योजनाबद्ध और तीव्र विकास पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि नवा रायपुर का संतुलित, आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि चल रही परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों में गति लाने के लिए इस वर्ष राज्य शासन के बजट अंतर्गत पूंजीगत व्यय का लक्ष्य 1000 करोड़ रुपए रखा गया है। सभी इस लक्ष्य को गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के लिए समर्पण भाव से कार्य करें।

मंत्री श्री चौधरी ने यह भी निर्देश दिए कि शासकीय एवं निजी संस्थानों तथा बिल्डर्स को आवंटित भूमि पर हो रहे निर्माण कार्यों को समन्वयपूर्वक और शीघ्र गति से पूरा किया जाए, ताकि नवा रायपुर के इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। बैठक में निवेश को प्रोत्साहन देने, पर्यावरण संरक्षण, अधोसंरचना विकास और शहरी जनसुविधाओं के उन्नयन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के चेयरमैन अंकित आनंद, मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में आ रहा है बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं तेजी से लागू की जा रही हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, उज्जवला योजना से गैस कनेक्शन, हर महीने नि:शुल्क अनाज और महतारी वंदन की राशि मिलने से पेंड्रा विकासखंड के नवागांव की श्रीमती संतोषी श्रीवास सुखमय जीवन व्यतीत कर रही है। श्रीमती संतोषी ने बताया कि पक्का मकान मिलने से उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

सुरक्षित एवं सुविधाजनक पक्का घर मिला संतोषी श्रीवास ने बताया कि पहले उनका घर कच्चा था, जिससे बरसात के दिनों में बहुत परेशानी होती थी। घर की दीवारों में सीलन आ जाती थी, जिससे रहना मुश्किल हो जाता था। बच्चों की भी पढ़ाई में दिक्कत होती थी, क्योंकि पढ़ाई-लिखाई के लिए उचित जगह नहीं थी।

परिवार की आमदनी कम होने के कारण वे पक्का घर बनवाने में असमर्थ थीं, लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलने से उनका घर अब सुरक्षित, सुविधाजनक पक्के घर में बदल गया। अब उनका परिवार आराम से सुरक्षित घर में रह रहा है।

स्वस्थ रहने के लिए दैनिक आहार में श्री अन्न शामिल करें: डॉ. खादर वली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं कृषक कल्याण परिषद (छ.ग.) के सयुक्त तत्वाधान में श्री अन्न (मिलेट) की उपयोगिता विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन सेमिनार हाल, कृषि महाविद्यालय रायपुर में आज किया गया। इस कार्यक्रम में पदम् श्री डॉ. खादर वली, (मिलेट मैन ऑफ़ इंडिया) ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर संकाय सदस्यों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेन्द्र चंद्रवंशी, अध्यक्ष, कृषक कल्याण परिषद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ आरती गुहे, अधिष्ठाता, डॉ विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान सेवाये एवं डॉ एस एस टुटेजा, निर्देशक विस्तार सेवाएं उपस्थित थे। मुख्य वक्ता पदम् डॉ. खादर वली ने अपने संबोधन में बताया कि भारत में एक समय श्री अन्न (मिलेट्स) का व्यापक रूप से उत्पादन और उपभोग किया जाता था। ये फ़सलें न केवल जलवायु के अनुरूप होती हैं, बल्कि बहुत कम पानी एवं उर्वरकों में भी अच्छी पैदावार देती हैं। मिलेट्स को उगाने के लिए 10 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त होता है। ये सी4 श्रेणी के पौधे हैं जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादकता देते हैं और पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालते हैं। इस प्रकार मिलेट्स का पुन: प्रसार भारत के कार्बन फुटप्रिंट को घटाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

उन्होंने बताया कि हरित क्रांति के पश्चात गेहूं और धान की ओर झुकाव बढ़ा, जिससे पारंपरिक फ़सलों की अनदेखी हुई तथा किसानों के अधिकार भी प्रभावित हुए, परंतु मिलेट्स को अपनाकर हम एक बार फ़िर सतत कृषि प्रणाली को सशक्त बना सकते हैं। श्री अन्न के स्वास्थ्य पर प्रभाव के संदर्भ में डॉ खादर वली ने बताया कि मिलेट्स में प्राकृतिक रेशे (फ़ाइबर) की मात्रा अधिक होती है, जो पाचनतंत्र के लिए लाभकारी है और शुगर, हृदय रोग जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक आहार न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों एवं विद्यार्थियों से मिलेट्स पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि अगले कुछ वर्षों में लोग मिलेट्स को अपने दैनिक आहार में पुन: शामिल करें, तो भारत स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में एक उदाहरण बन सकता है।

कार्यक्रम के समापन में प्रतिभागियों को मिलेट न्यूट्री के विभिन उत्पाद ज्वार चिवड़ा, पीनट कूकीज, कोदो ग्लूटेन फ्री कूकीज, बाजरा पोप्स एवं रागी पापड़ी का वितरण किया गया इस कार्यक्रम में 200 से अधिक संकाय सदस्य शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभा बेनर्जी, सहायक प्राध्यापक ने किया।

अंग्रेजी हुकूमत काल के जनजातीय विद्रोहों पर आधारित संग्रहालय को दिया जा रहा अंतिम स्वरूप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंग्रेजी हुकूमत के काल में छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शौर्य और बलिदान की स्मृति में नवा रायपुर, अटल नगर में निर्मित किए जा रहे भव्य संग्रहालय-सह-स्मारक को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर इस संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। मुख्य सचिव विकास शील ने आज निर्माण स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर बनाया जा रहा यह संग्रहालय देश का पहला पूर्णत: डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए 14 प्रमुख आदिवासी विद्रोहों के साथ-साथ जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह पर अलग-अलग गैलरियाँ बनाई जा रही हैं। संग्रहालय में आगंतुकों को इन जनजातीय आंदोलनों की जीवंत झलकें देखने और सुनने को मिलेंगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव शील ने कहा कि संग्रहालय में प्रदर्शित की जाने वाली सभी वस्तुओं और सामग्री को उनके मूल स्वरूप में ही प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओरिएंटेशन रूम में प्रदर्शित की जाने वाली डाक्यूड्रामा हल्बी-गोंडी या अन्य जनजातीय बोलियों में तैयार की जाए, ताकि यह स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव का सशक्त माध्यम बन सके। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी गैलरियों का भ्रमण किया और आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय में प्रदर्शित किए जाने वाले आदिवासी विद्रोहों का संक्षिप्त परिचय देते हुए पूरे रूट चार्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आज ही संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा की। श्री बोरा ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर है कि देश का पहला पूर्णत: डिजिटल आदिवासी संग्रहालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों से लोकार्पित होने जा रहा है। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आग्रह किया। प्रमुख सचिव बोरा ने प्रधानमंत्री जी के लोकार्पण रूट-प्लान के अनुसार अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, संग्रहालय तक आने वाले पूरे मार्ग पर स्ट्रीट लाइट, रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय क्षेत्र में चौबीसों घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा गार्डनिंग और वृक्षारोपण की आवश्यक तैयारियाँ भी समय पर पूरी हों।

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय देश का पहला पूर्णत: डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान छत्तीसगढ़ में हुए प्रमुख आदिवासी विद्रोहों—हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, तथा झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह—के वीर नायकों के संघर्ष और शौर्य को 14 गैलरियों में जीवंत रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है।

बैठक में संभागायुक्त महादेव कावरे, आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग डॉ. सारांश मित्तर, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त अवनीश शरण, कलेक्टर गौरव सिंह, नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वजीत, संचालक टीआरटीआई हिना अनिमेष नेताम, संचालक अंत्यावसायी विकास निगम डॉ. जगदीश कुमार सोनकर, अतिरिक्त कलेक्टर नम्रता जैन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह, डीआईजी छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं सुरेश ठाकुर, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के मुख्य अभियंता, तथा लोक निर्माण विभाग रायपुर के मुख्य और कार्यपालन अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

सराफा कारोबारी से 90 लाख नकद और सोने-चांदी के जेवरात की उठाईगिरी

बिलासपुर। जिले के रतनपुर में हुई बड़ी उठाईगिरी की वारदात ने व्यापार जगत में हड़कंप मचा दिया है। घटना में रायपुर निवासी सराफा व्यापारी किशोर रावल को निशाना बनाया गया, जो अंबिकापुर से रायपुर जा रहे थे। व्यापारी ने बताया कि रॉयल ट्रेवल्स की बस में सफर के दौरान सोते समय उनके बैग से करीब 90 लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात गायब हो गए। घटना सोमवार देर रात हुई, जब बस रतनपुर थाना क्षेत्र से गुजर रही थी। व्यापारी किशोर रावल के अनुसार, चोरों ने सुनियोजित तरीके से उनके बैग से नकद और जेवरात पार कर दिए। रायपुर पहुंचने के बाद जब व्यापारी ने बैग की जांच की, तो चोरी की जानकारी हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही किशोर रावल सीधे रतनपुर थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने तत्काल अज्ञात चोरों के खिलाफ उठाईगिरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मामले की मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। रतनपुर पुलिस ने बस के स्टाफ, ड्राइवर और क्लीनर से पूछताछ शुरू की है। इसके अलावा, बस में यात्रा करने वाले अन्य यात्रियों की सूची भी जुटाई जा रही है। पुलिस अब रतनपुर क्षेत्र और रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह वारदात सुनियोजित उठाईगिरी गिरोह द्वारा अंजाम दी गई हो सकती है, जो लंबे समय से यात्री बसों में सफर करने वाले व्यापारियों और यात्रियों को निशाना बनाता रहा है।

व्यापारियों ने बताया कि हाल ही में लगातार हो रही इस तरह की उठाईगिरी व्यापारिक सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से बसों में नियमित चेकिंग और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। व्यापारी किशोर रावल ने कहा कि बड़ी रकम और जेवरात लेकर बस में सफर करना हमेशा जोखिम भरा रहता है, और इस घटना से स्पष्ट हो गया कि यात्री सुरक्षा और बस सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि आरोपी बस में यात्री बनकर सवार हुए थे और किसी स्टॉप पर उतर गए। अब पुलिस बस के रूट पर आने वाले सभी स्टॉपेज की पड़ताल कर रही है।

मामूली विवाद बना खूनी संघर्ष : दो लोगों की हत्या, मचा हड़कंप

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नवाखाई पर्व की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब एक मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के तोयापारा गांव में दो लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव में नवाखाई त्यौहार मनाने के दौरान आपसी विवाद हो गया था। पहले मामूली कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते बात बढ़कर मारपीट तक जा पहुंची। स्थानीय लोगों के मुताबिक, विवाद इतना गंभीर हो गया कि लाठी-डंडे और धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया। झगड़े के दौरान दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी पुलिस ने सार्वजनिक नहीं की है।

दिवाली और छठ पर्व पर सुरक्षा की समीक्षा, आईजी व एसपी ने दुर्ग जिले के अफसरों की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग रामगोपाल गर्म व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल व्दारा जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना, चौकी प्रभारियों की पुलिस नियंत्रण कक्ष भिलाई में अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक लिया गया। बैठक में दीपावली त्यौहार एवं छठ पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा दीपावली त्यौहार में मार्ग, पार्किंग एवं बाजार व्यवस्था हेतु निर्देश दिए गए ।

पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज, दुर्ग द्वारा अपराधों के विवेचना में त्रिनयन एवं सशक्त एप के उपयोग करने के संबंध में दिशा निर्देश दिये गये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने गुण्डा बदमाशों की निगरानी के निर्देश दिए। थानों क्षेत्र को बीट में विभाजित किया गया है। प्रत्येक बीट का नामजद प्रभारी एवं सहायक प्रभारी बनाए गए हैं। बीट प्रभारी को बीट क्षेत्र में निवास करने वाले गुण्डा, निगरानी बदमाशों, अवैध कार्य करने वाले लोगों के उपर निगाह रखने, निगरानी एवं गुण्डा बदमाशों के चाल चलन, गुजर बसर के स्त्रोत एवं जीवन शैली पर बारीकी से जांच किए जाने, गतिविधियों में निगाह रखने बीट प्रभारियों को निर्देशित किया गया। गुण्डा निगरानी बदमाशों के विरूद्ध बाउण्ड ओव्हर कराया जायें एवं बाउण्ड ओव्हर का उल्लंघन करने वाले गुण्डा, निगरानी बदमाशों का बाउण्ड जप्ती की कार्यवाही भी करायी जावें।

गौ हत्या व गौ तस्करी के मामलों में त्वरित कार्यवाही करने निर्देश

इसी प्रकार लंबित मर्गों का शीघ्र निराकरण किए जाने, लंबित शिकायतों का समय पर निराकरण करने, आबकारी एक्ट के अन्तर्गत्त अधिक से अधिक कार्यवाही करने, आर्म्स एक्ट के मामलों में सोर्स का पता लगाकर कार्यवाही करने, गौ हत्या व गौ तस्करी के मामलों में त्वरित कार्यवाही करने, ई-साक्ष्य एप का अधिक से अधिक उपयोग कर अपलोड किए जाने के भी निर्देश दिए गए ।

थाना व चौकी प्रभारियों को समय पर त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश

प्रत्येक बीट में थाना प्रभारी, बीट प्रभारी एवं सहायक बीट प्रभारी के मोबाईल नंबर दृष्यमान, स्थानों पर वाल पेंटिंग कराकर आम जनता के लिये प्रदर्शित किये जाने निर्देश दिये गये। बैठक में एक माह से अधिक अवधि से लंबित प्रकरणों की थानावार समीक्षा की गई एवं जिन थानों में प्रकरण का निराकरण समय सीमा में नहीं किया जा रहा है, उनके थाना चौकी प्रभारियों को समय पर त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश दिए गए। 60/90 दिवस में चालान पेश करने के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिया गया। महिला संबंधी अपराधों की विवेचना पूर्ण संवेदनशीलत्ता तथा तत्परता से किये जाने, सायबर फ्राड की विवेचना में तेजी लाने एवं अपराधियों की धर पकड़ की कार्यवाही, नशीले पदार्थों के व्यवसाय से जुड़े लोगो की धर पकड़ एवं एण्ड टू एण्ड विवेचना करते हुये सभी स्तर के लोगों को कानून की दायरे में लाकर सजा दिलाने, इस व्यवसाय से अर्जित सम्पतियों को जप्त कराने की कार्यवाही मिशन मोड में किये जाने का निर्देश दिया गया।

दीपावली त्यौहार में 5-6 दिवस शेष है, इस अवधि में संध्या के समय बाजारों में अत्यधिक भीड़ रहती है। इस दिशा में सभी थाना चौकी प्रभारियों को मुस्तैदी से सुरक्षा ड्यूटी करने, दुकानों के अंदर एवं बाहर सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगाए जाने हेतु दुकानदारों को समझाईस दिए जाने एवं किसी प्रकार की घटना घटित न हो यह सुनिश्चित करने, जुआंड़ियों पर निगाह रखकर कार्यवाही किए जाने की हिदायत दी गई। बैठक में सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर, दुर्ग, अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात, पदमश्री तंवर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आईयूसीएडब्ल्यू के अतिरिक्त समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना व चौकी प्रभारी उपस्थित हुए ।

शादी का झांसा देकर युवती से 1 साल तक करता रहा दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छात्रा से दुष्कर्म करने वाले युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी का नाम अमन लकड़ा है। आरोपी ने युवती को प्रेम जाल में फंसा, शादी का झांसा देकर युवती से करीब 1 सालों तक दुष्कर्म करता रहा। आरोपी का जब मन भर गया तो उसने शादी करने से मना कर दिया।

पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। घटना थाना पत्थलगांव क्षेत्र की है। 13 अक्टूबर को थाना पत्थलगांव की एक 20 वर्षीय पीड़ित ने थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कॉलेज में बीए की छात्रा है और वर्तमान में कंप्यूटर का कोर्स कर रही है। 4 जून 2024 में वह अपनी रिश्ते की दीदी की शादी में पत्थलगांव आई हुई थी। समारोह में गांव में रहने वाला अमन लकड़ा भी पहुंचा था। अमन ने पीड़िता ने बातचीत की। इस दौरान आरोपी अमन लकड़ा ने युवती को बोला कि वह उसे पसंद करता है और शादी करना चाहता है। छात्रा आरोपी अमन लकड़ा के झांसे में आ गई। मौके का फायदा उठाकर आरोपी ने उसी दिन प्रार्थिया के साथ जबरन अनाचार किया। एक साल तक अमन ने पीड़िता के साथ अनाचार किया। पीड़िता जब शादी की बात करती तो अमन उसे गुमराह करता रहता था। अब आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। आरोपी की हरकतों से परेशान पीड़िता ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई।

चूंकि मामला महिला संबंधित अपराध से संबंधित होने पर पुलिस के द्वारा तत्काल थाने में आरोपी अमन लकड़ा के विरुद्ध, बी एन एस की धारा 64 (2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। साथ ही आरोपी अमन लकड़ा को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस महिलाओं व बच्चों से सम्बन्धित अपराध को लेकर अत्यंत संवेदनशील है, पत्थलगांव क्षेत्र में एक युवती से दुष्कर्म के मामले में आरोपी अमन लकड़ा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इस प्रकार के अपराध में संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा।

प्रेमजाल में फंसाकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

केशकाल। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग बच्ची को प्यार के जाल में फंसाकर फिर उसके साथ दुष्कर्म करने का एक और मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता दो महीने की गर्भवती हो गई, तब जाकर घरवालों को इस बात की जानकारी हुई। फिलहाल पीड़िता की रिपोर्ट पर फरसगाँव पुलिस ने आरोपी सुंदर नेताम उर्फ गन्नू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि इंस्टाग्राम के माध्यम से सुंदरलाल उर्फ गप्पू नेताम के साथ उसकी जान-पहचान हुई थी। फिर 2 अक्टूबर की रात 11 बजे गप्पू ने फोन कर कहा कि मैं तुमसे मिलने के लिए तुम्हारे घर के बाहर खड़ा हूँ। यदि बाहर नहीं आओगी तो मैं तुम्हारे घर के अंदर आ जाऊँगा और बदनाम कर दूँगा। पीड़िता डर के कारण घर के बाहर आई तो आरोपी ने जबरदस्ती पीड़िता का हाथ पकड़कर उसे अपने घर ले गया। पीड़िता के मना करने के बावजूद जबरन शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया। उसने धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो जान से मार देगा। इसके बाद वह लगातार बदनाम करने की धमकी देकर पीड़िता के साथ जबरदस्ती बलात्कार करता रहा जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई।

जब पीड़िता ने आरोपी सुंदरलाल नेताम को बताया कि वह गर्भवती है और उससे शादी करने को कहा तो आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया और कहा कि इससे तुम्हारी बदनामी होगी। साथ ही धमकी दी कि अगर प्रेग्नेंसी के बारे में किसी को बताया तो तुझे और तेरे पेट में पल रहे बच्चे को जान से मार दूँगा। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना फरसगाँव में सुसंगत धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी हेतु फरसगाँव थाना प्रभारी संजय सिन्दे के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस ने चंद घंटों में आरोपी सुंदरलाल नेताम उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार कर थाना लाया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना के दिन पीड़िता के साथ अपराध करना स्वीकार किया है। आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया।

आबकारी विभाग ने उपसरपंच की पत्नी को अवैध शराब बेचते किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। आबकारी आयुक्त आर. संगीता के निर्देश और कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे तथा जिला आबकारी अधिकारी संतराम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसने के अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। विभाग की सरसीवा वृत्त टीम को सूचना मिली थी कि ग्राम जमगहन (थाना भटगांव) के उपसरपंच शिवनंदन कुर्रे अपने घर में लंबे समय से अवैध मदिरा का भंडारण और बिक्री कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए मौके से भारी मात्रा में कच्ची महुआ शराब, देशी प्लेन मदिरा और विदेशी बीयर जब्त की है। मिली जानकारी के अनुसार, आबकारी टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम जमगहन बोरिंग चौक स्थित शिवनंदन कुर्रे और उनकी पत्नी रामेश्वरी कुर्रे अपने मकान में लंबे समय से कच्ची महुआ शराब का निर्माण और बिक्री कर रहे हैं।

आरोप है कि दोनों पति-पत्नी स्थानीय स्तर पर शराब को प्लास्टिक पन्नियों में पैक कर आसपास के इलाकों में अवैध रूप से बेचते थे। यही नहीं, उपसरपंच होने के नाते शिवनंदन कुर्रे अपने पद और प्रभाव का उपयोग कर इस गैरकानूनी कारोबार को संरक्षण दे रहे थे। सूचना की पुष्टि होने के बाद आबकारी विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गांव में छापा मारा। छापे के दौरान मौके पर रामेश्वरी कुर्रे घर में मौजूद थी और

प्लास्टिक की छोटी-छोटी पन्नियों में कच्ची महुआ शराब भरने का काम कर रही थी। उसके पति शिवनंदन कुर्रे उस समय घर पर मौजूद नहीं था और काम से बाहर गया हुआ बताया गया। टीम ने गवाहों की मौजूदगी में मकान की विधिवत तलाशी ली, जहां से विभिन्न प्रकार की मदिरा बरामद की गई। तलाशी के दौरान घर के कमरे से 2 नग पीले रंग के प्लास्टिक जरीकेन मिले जिनमें कुल 10 लीटर कच्ची महुआ शराब भरी हुई थी। इसके अलावा 30 नग छोटे-छोटे पन्नियों में 200-200 मिली मात्रा में भरी देशी प्लेन मदिरा, कुल 6 लीटर, और देशी प्लेन मदिरा पाव 30 नग (मात्रा 5.40 लीटर) भी जब्त की गई। इसके साथ ही विदेशी बीयर ब्रांड सिम्बा स्ट्रांग की 6 बोतलें (मात्रा 3.90 लीटर) बरामद की गईं। इस तरह कुल 21.40 लीटर देशी एवं कच्ची मदिरा तथा 3.90 लीटर माल्ट बीयर बरामद हुई।

आबकारी अधिकारियों ने मौके पर ही बरामद मदिरा का परीक्षण कर उसे जब्त किया और विधिक प्रक्रिया के तहत कब्जे में लिया। जांच में यह भी सामने आया कि शिवनंदन कुर्रे और उसकी पत्नी पिछले कई महीनों से यह अवैध कारोबार चला रहे थे। गांव के लोग भी इस बात से परिचित थे, लेकिन उपसरपंच के प्रभाव के चलते कोई खुलकर विरोध नहीं कर पा रहा था।

आबकारी विभाग ने आरोपी रामेश्वरी कुर्रे पति शिवनंदन कुर्रे, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम जमगहन थाना भटगांव के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2) और 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई हेतु न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वहीं, उपसरपंच शिवनंदन कुर्रे की भूमिका की भी जांच की जा रही है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि उन्होंने अपने प्रभाव का उपयोग कर अवैध शराब कारोबार को संरक्षण दिया है, तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक फगुराम टंडन, विपिन कुमार पाठक, महिला प्रधान आरक्षक थाना सरसीवा सहित आबकारी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

धर्मनगरी डोंगरगढ़ में गो मांस पकाते रंगे हाथों पकड़े गए दो आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले के धर्म नगरी डोंगरगढ़ में एक बार फिर गौमाता से जुड़ी घटना सामने आई है। जहां कुछ ही दिनों पहले एक युवक के द्वारा गौ माता के साथ अनाचार का मामला सामने आया था, वहीं अब खुलेआम गो मांस पकाए जाने का मामला सामने आया है। सोमवार की शाम हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन के पास स्थित वाहन पार्किंग क्षेत्र में दो आरोपियों को गो मांस पकाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात लोग रेलवे स्टेशन के पास खुले आम गो मांस पकाने का दुस्साहस कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही बजरंग दल के नगर संयोजक रिषभ डकहा के नेतृत्व में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे, जहां दो युवक मौके से भागने लगे, लेकिन कार्यकर्ताओं ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना किसी संयोग मात्र नहीं है, बल्कि डोंगरगढ़ में पिछले कई महीनों से लगातार गो मांस की अवैध गतिविधियां चल रही हैं। सूत्र यह भी बताते हैं कि गौ माता की हत्या थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर की जाती है। यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर पुलिस की पेट्रोलिंग कहां हो रही है? स्थानीय लोगों और हिन्दू संगठनों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जब धर्म नगरी डोंगरगढ़ में बार-बार गौ माता से जुड़ी घटनाएं हो रही हैं।

लोगों का कहना है कि जब अपराधी खुलेआम गो मांस पका सकते हैं, और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगती, तो यह प्रशासन की विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। सूत्र यहां तक बताते हैं कि डोंगरगढ़ में गो वध का सिलसिला काफी समय से जारी है, लेकिन किसी भी स्तर पर ठोस कार्यवाही नहीं हो रही। प्रश्न उठता है कि क्या धर्म नगरी कहलाने वाले डोंगरगढ़ में अब कानून का डर खत्म हो गया है?क्या पुलिस प्रशासन केवल कागजों में गश्त करती है? क्या भाजपा सरकार के शासन में गौ माता की रक्षा के सारे दावे सिर्फ भाषणों तक सीमित रह गए हैं?

सूत्रों के आधार पर हिन्दू संगठनों ने आरोप लगाया है कि जब भी वे किसी आपराधिक कृत्य की सूचना पुलिस को देते हैं, तब पुलिस की लेटलतीफी और ढुलमुल रवैया साफ दिखाई देता है। यह स्थिति न केवल पुलिस की निष्क्रियता को उजागर करती है, बल्कि शासन-प्रशासन की नीयत पर भी सवाल खड़ा करती है। डोंगरगढ़ में अब जनता का धैर्य टूटने लगा है। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर पुलिस प्रशासन और शासन कब तक ऐसे मामलों को नजरअंदाज करता रहेगा?

डोंगरगढ़ बजरंग दल नगर संयोजक रिषभ ने कहा कि, 'हमें सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन के पास गो मांस पकाया जा रहा है। हम मौके पर पहुंचे और आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। लेकिन सवाल यह है कि पुलिस की गश्त कहां है? धर्म नगरी में गौ हत्या हो रही है और प्रशासन मौन क्यों है?' लगातार बढ़ते ऐसे मामलों ने न केवल पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बल्कि सरकार के गौ रक्षा के दावों पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

दूसरे की जमीन बेचकर पूर्व सरपंच और जनपद सदस्य फरार, तलाश जारी

जांजगीर। चांपा पुलिस ने दूसरे की जमीन को अपना बताकर फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराने के मामले में कोसमंदा के पूर्व सरपंच गौतम राठौर और उनकी पत्नी, जनपद सदस्य शारदा राठौर के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की है। गौतम राठौर के खिलाफपहले से ही एक अन्य मामले में चांपा थाना में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज है और आरोपी गौतम राठौर फरार है। जमीन के मामले में 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज होने के बाद उनकी पत्नी शारदा राठौर भी फ़रार हो गई हैं। पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए दबिश दी है, लेकिन दोनों आरोपी पति-पत्नी पकड़ में नहीं आ सके हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950